हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026



झारखंड बोकारो से बाइक पर शराब लेकर बेचने पहुंचा तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

700 किमी. दूरी तय कर राजधानी रायपुर आया और धरा गया

छत्तीसगढ़ में अब पड़ोसी राज्य के शराब तस्कर बाइक से भी तस्करी करने लगे हैं। आबकारी विभाग की टीम ने शनिवार को नरदहा-चंदखुरी मार्ग पर झारखंड के एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक से बोकारो से लगभग 700 किलोमीटर का लंबा सफर तय करके झारखंड राज्य की शराब रायपुर के ग्रामीण इलाकों में बिक्री के लिए पहुंचा था, जिसे टीम ने मुखबिर की सूचना पर धर-दबोचा।

आबकारी जिला उपायुक्त प्रवीण वर्मा ने बताया कि ओवररेटिंग, अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सूचना मिली थी कि झारखंड से बाइक पर दो बैग में भरकर एक व्यक्ति नरहदा-चंदखुरी की तरफ जा रहा है। विभाग की टीम ने इसी मार्ग पर उसे पकड़कर बैग की तलाशी ली तो उसमें झारखंड राज्य की रॉयल ब्रांड पौव्वा शराब थी।

बैग से 21 अद्धी और 120 पौवा बोतलें जब्त की गईं, जिसकी कुल कीमत लगभग 6 हजार 765 रुपए है। टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी बाइक भी जब्त की है। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम राजेश प्रसाद सिंह निवासी बोकारो बताया है। उसने यह भी बताया कि वह झारखंड से शराब यहां बेचने के लिए लाया है।

स्पेशल परीक्षा की डेटशीट जारी, 12 अक्टूबर से मिलेंगे एडमिट कार्ड

रायपुर। सीबीएसई ने पश्चिमी एशिया में रहने वाले 12वीं के छात्रों के लिए स्पेशल परीक्षा 2026 की डेट शीट जारी कर दी। बोर्ड की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार परीक्षाएं 23 अक्टूबर से शुरू होकर 28 अक्टूबर तक चलेगी। सीबीएसई ने पश्चिमी एशिया में रहने वाले 12वीं के छात्रों के लिए स्पेशल परीक्षा 2026 की डेट शीट जारी कर दी है। यह परीक्षा उन छात्रों के लिए आयोजित की जा रही है जो पश्चिम एशिया में बने तनावपूर्ण हालात के कारण मार्च और अप्रैल में निर्धारित परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे। बोर्ड की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार परीक्षाएं 23 अक्टूबर से शुरू होकर 28 अक्टूबर तक चलेगी।



बोरा ने किया आईटीएमएस वार रूम का निरीक्षण

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने जयस्तंभ चौक स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के तीसरे माले पर संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) वार रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शहर में यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, अवैध निर्माण और खुदाई पर नियंत्रण तथा नागरिकों में नागरिक बोध (सिविक सेंस) विकसित करने से जुड़े विषयों की समीक्षा की। उन्होंने इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कार्ययोजना तैयार करने और विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ के चार शहरों में ई-बसों के संचालन के लिए आज होगा करार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

1 नवंबर से बिलासपुर और भिलाई में शुरुआत का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ के चार प्रमुख शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर, भिलाई और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। इसके लिए 11 अक्टूबर को उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में संबंधित नगर निगमों और चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच कंसेशन एग्रीमेंट किया जाएगा। साथ ही चारों शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का रास्ता साफ होगा।

नवा रायपुर स्थित उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के आठ नगरीय निकायों के महापौर और आयुक्त शामिल होंगे। कार्यक्रम में रायपुर महापौर मीनल चौबे, बिलासपुर महापौर पूजा विधानी, कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत, दुर्ग महापौर अलका बाघमार, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, भिलाई के महापौर नीरज पाल, बिरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन और भिलाई-चरोदा के महापौर निर्मल कोसरे मौजूद रहेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के अनुसार, योजना के पहले चरण में चार नगर निगमों को उनकी जरूरत के अनुसार इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें रायपुर को 100 बसें, भिलाई को 50 बसें, कोरबा को 50 बसें और बिलासपुर को 40 बसें, बिलासपुर और भिलाई में 1 नवंबर तक प्रतीकात्मक रूप से 20-20 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। यात्री मोबाइल स्कैनर के माध्यम से किराए का भुगतान कर सकेंगे और ऑनलाइन टिकट भी ले सकेंगे। प्रत्येक बस में सुरक्षा के लिए छह कैमरे लगाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना का उद्देश्य शहरों में स्वच्छ, सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना है।





हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

नवरात्रि पर विशेष-1



नौ दिनों तक जिन ज्योति कलशों में श्रद्धालु माता की आराधना करते हैं, नवरात्रि के बाद बिखर जाने वाले उन्हीं कलशों को सहेजने के संकल्प ने छत्तीसगढ़ के धमधा में एक अनूठे मंदिर को जन्म दिया। वर्ष 2010 में नरेंद्र बाबा की पहल से स्थापित इस मंदिर की पहचान इसकी विशिष्ट कलश संरचना, देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से है।

धमधा का कलश मंदिरः आस्था संकल्प और अटूट विश्वास की अनूठी कहानी

नवरात्रि के बाद बिखरते थे ज्योति कलश सहेजकर खड़ा कर दिया अनूठा मंदिर

निकेत ताम्रकार ▶▶| धमधा

मंदिर निर्माण के पीछे स्वप्न में मिली प्रेरणा और वर्षों के समर्पण की कहानी भी जुड़ी है। नवरात्रि के पहले दिन आइए जानते हैं, कैसे एक विचार ने श्रद्धा के प्रतीकों को आस्था के एक बड़े केंद्र में बदल दिया। नवरात्रि के बाद इधर-उधर बिखरे पड़े ज्योति कलशों को सहेजने के विचार से शुरू हुई यह यात्रा वर्ष 2010 में मंदिर की स्थापना तक पहुंची। आज यह मंदिर अपनी विशिष्ट कलश संरचना, विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और नवरात्रि के दौरान होने वाले धार्मिक आयोजनों के लिए श्रद्धालुओं के बीच विशेष पहचान रखता है।

मंदिर के संस्थापक नरेंद्र बाबा बताते हैं कि कलश मंदिर की स्थापना की कहानी धार्मिक सेवा से ▶▶|शेष पेज 6 पर

नवरात्रि में उमड़ती है श्रद्धालुओं की आस्था



नवरात्रि के अवसर पर कलश मंदिर में विशेष धार्मिक वातावरण रहता है। इस दौरान ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं, पूजा-अर्चना होती है और श्रद्धालु देवी-देवताओं के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर से जुड़ी जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के समय दूर-दराज के क्षेत्रों और अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु यहाँ दर्शन करने आते हैं। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सेवा और सहयोग की भावना इस आयोजन को विशेष बनाती है। मंदिर ▶▶|शेष पेज 6 पर

मां महामाया मंदिर में जलेंगे अमेरिका, ब्रिटेन के भी भक्तों के ज्योति कलश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहा है। इसके लिए मां महामाया मंदिर ट्रस्ट रतनपुर में जोर-शोर से तैयारी चल रही है। मनोकामना ज्योतिकलश बुकिंग कराने भक्तों में होड़ मची हुई है। छत्तीसगढ़ ही नहीं देश-विदेश से मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करने भक्त बुकिंग के लिए संपर्क कर रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट की मानें तो लगातार विदेशी भक्तों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसमें नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के या विदेशी श्रद्धालुओं ने मंदिर समिति से संपर्क कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से अपने नाम पर मनोकामना ज्योति कलश की बुकिंग करवाई है। महामाया देवी ▶▶|शेष पेज 6 पर

- रतनपुर के मां महामाया मंदिर में इस बार 31 हजार ज्योति कलश



दो प्रकार के ज्योति कलश

महामाया देवी मंदिर के व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने बताया कि मंदिर में मुख्य रूप से दो प्रकार के ज्योति कलश जलाए जाते हैं। इसमें तेल ज्योति कलश में नौ दिनों तक तेल का दीपक जलाया जाता है। साथ ही घृत (घी) ज्योति कलश में गाय के शुद्ध घी का उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि हर साल नवरात्रि पर यहाँ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाते हैं, जिन्हें देखने और जिनमें अपना नाम दर्ज कराने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।



खबर संक्षेप

आईओए चुनाव पांच दिसंबर को

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अपनी नई कार्यकारी परिषद का चुनाव पांच दिसंबर को करेगा, जिसके लिए शनिवार को संजय कुमार श्रीवास्तव को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्रीवास्तव दिल्ली और चंडीगढ के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। आईओए अध्यक्ष पी टी उषा ने अच्छे प्रशासन को मजबूत बनाने के संगठन के प्रयासों की दिशा में इसे अहम कदम बताया। 2026 के चुनाव भारतीय ओलंपिक आंदोलन में अच्छे प्रशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में एक अहम मील का पत्थर हैं। हमारा मकसद मजबूत, भरोसेमंद और खिलाड़ियों पर केंद्रित संस्थान बनाना है, जो ओलंपिक चार्टर के अनुरूप हो।

आर्थिक तंगी के कारण बेटे के इलाज को लेकर चिंतित किसान पिता को मिली बड़ी राहत

आइसोलेटेड ग्रोथ हॉरमोन डिफिशिएंसी टाइप 1ए से पीड़ित है सक्ती जिले का रिमोन

हरिभूमि-आईएनएच की पहल पर सीएम साय ने दिखाई संवेदनशीलता, देर रात मुलाकात, स्वीकृत किए 12 लाख

हरिभूमि खास

सक्ती जिले के ग्राम धुरकोट निवासी 10 वर्षीय रिमोन टंडन के परिवार के लिए शनिवार का दिन नई उम्मीद और राहत लेकर आया। हरिभूमि-आईएनएच की पहल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवेदनशीलता दिखाई। देर रात अपने निवास पर पीड़ित और उनके परिजनों से मुलाकात की। दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे रिमोन के महंगे उपचार की चिंता से परेशान परिवार को मुख्यमंत्री साय ने बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत तत्काल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उम्र 10 साल, कद-काठी और चेहरा तीन साल के बच्चे जैसा। सक्ती जिले के चंद्रपुर निवासी रिमोन टंडन की जिंदगी एक दुर्लभ बीमारी ने थाम दी थी, लेकिन अब उसके उपचार की उम्मीद जगी है। दिल्ली एम्स में जांच के बाद सामने आई आइसोलेटेड ग्रोथ हॉरमोन डिफिशिएंसी टाइप 1ए बीमारी के इलाज के लिए जापान और मलेशिया से आने वाले करीब 13 लाख रुपए के इंजेक्शन की जरूरत है।

हरिभूमि और आईएनएच न्यूज की पहल पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने उपचार के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की है। अब रिमोन के इलाज के साथ उसकी पढ़ाई और सिंगर बनने के सपने को भी नई उम्मीद मिली है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रिमोन के उपचार के लिए राज्य सरकार हर संभव मदद करेगी। आईएनएच न्यूज के साथ लाइव चर्चा में उन्होंने 13 लाख रुपए के इंजेक्शन के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ▶▶|शेष पेज 6 पर

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित रिमोन 10 साल की उम्र में दिखता है 3 साल का





दिल्ली एम्स ने की जांच अब होगा उपचार

रिमोन के पिता अजय कुमार टंडन ने बताया कि लंबे समय से अलग अलग अस्पतालों में उसका उपचार चल रहा था, लेकिन कुछ समय पहले दुर्लभ बीमारी का पता चला। दिल्ली एम्स में जांच कराने पर जानकारी दी गई कि इसके उपचार के लिए महंगे इंजेक्शन की जरूरत होगी। जापान और मलेशिया से 13 लाख का इंजेक्शन आएगा, तभी रिमोन का उपचार हो सकेगा। विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत स्वीकृति मिलने के बाद अब रिमोन का उपचार शुरु हो सकेगा।



गाने का है शौक पर बीमारी ने रोका

10 साल की उम्र में भी 3 साल की उम्र जितनी मासूमियत को समेटे रिमोन टंडन की इच्छा सिंगर बनने की है। नवरात्रि के समय माताराणी का भक्त रिमोन आसपास के दुर्गा पंडालों और मंदिरों में जसगीत गाने भी जाता है। बीमारी की वजह से उसकी स्कूलिंग भी नहीं हो सकी है, लेकिन घर पर ही वह पढ़ाई करता है।

दिल्ली में रोहित ने की मदद

रिमोन के पिता अजय बताते हैं कि दिल्ली एम्स में जांच और उपचार के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहां रहने और खाने की भी समस्या हो रही थी। तब छत्तीसगढ़ सदन जाने पर वहां राजिम के विधायक रोहित साहू मिले। उन्होंने न सिर्फ रहने खाने के लिए मदद की। तत्काल डॉक्टरों से संपर्क कर जांच भी कराया। वहीं से मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को रिमोन के रिपोर्ट्स भेजकर आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कराने में भी मदद की।

रिमोन को गोद में उठाकर मुख्यमंत्री ने दुलारा



मुख्यमंत्री के बुलावे पर सीएम हाउस पहुंचे राजिम विधायक रोहित साहू के साथ पीड़ित और उनके परिजन।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रिमोन के समुचित उपचार के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा भी परिवार को दिलाया। मुख्यमंत्री ने बच्चे को स्नेहपूर्वक अपनी गोद में उठाया, दुलारा और उसके स्वास्थ्य तथा उपचार के संबंध में परिजनों से विस्तार से जानकारी ली। परिवार की आर्थिक स्थिति और उपचार पर आने वाले खर्च की ▶▶|शेष पेज 6 पर

नन्हे रिमोन ने गीत सुनाकर मुख्यमंत्री का किया धन्यवाद

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान एक आत्मीय दृश्य भी देखने को मिला। सहायता मिलने से खुश नन्हे रिमोन ने मुख्यमंत्री श्री साय को गीत गाकर सुनाया। मुख्यमंत्री ने बड़े स्नेह से ▶▶|शेष पेज 6 पर

425 रुपए क्विंटल में होगी गन्ने की खरीदी सरकार ने बढ़ाए 96 रुपए



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती ▶▶|शेष पेज 6 पर

खास खबर

किसानों की समस्याओं पर संवेदनशील सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं।

48 घंटे बाद किसान आंदोलन स्थगित

कवर्धा। जिला मुख्यालय में 48 घंटे से जारी किसान आंदोलन शनिवार को स्थगित होने के बाद शहर की यातायात व्यवस्था बहाल हो गई। किसानों ने शहर के प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्ग-30 से बैरिकेड हटा दिए, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो गया। दो दिनों से चक्काजाम के कारण परेशान लोगों ने राहत की सांस ली। मुख्यमंत्री द्वारा गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने की घोषणा के बाद भारतीय किसान संघ ने आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने राजनीतिक शासन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके काल में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के लगातार निशाने पर रहने के बावजूद वे दृढ़ रहे हैं। साथ ही देश के विकास में अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और उन पर अमल कराने में सफल माने जा सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। वर्तमान में देश में दूर-दूर तक कोई नेता नहीं, जो नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े लक्ष्य तय



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

किसी राजनेता या मनुष्य की पहचान यही है कि कठिन, विकट और विपरीत परिस्थितियों में भी बिना दबाव में आए और डरे या सहमे बिना आत्मविश्वास के साथ व्यापक और बड़े लक्ष्य निर्धारित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सत्ता के जीवन का मूल्यांकन करें तो आपको दिख जाएगा उन पर यह सिद्धांत सटीक बैठता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता या संभव ही नहीं कि निर्धारित बड़े सभी लक्ष्य उस रूप में हासिल भी हो जाए। सरकार के प्रमुख होने के नाते जो लक्ष्य निर्धारित होते हैं, उनमें केवल मंत्रिमंडल ही नहीं, नौकरशाह, केंद्र से लेकर राज्य और नीचे स्तर तक सारे सरकारी कर्मचारी, मशीनरी और देश के लोगों का भी भरपूर भागीदारी और सहयोग चाहिए होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की सफलताओं के बड़े अंश का दायित्व उस पूरे संघ विचार परिवार को भी जाता है, जिसके वे स्वयंसेवक और प्रचारक रहे। दरअसल, भाजपा अन्य पार्टियों से इस मायने में भिन्न है क्योंकि पूरे संघ संगठन परिवार के लोगों के अंदर यह भाव रहता है कि यह पार्टी या तो हमारी विचारधारा और लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती है या कम से कम उसके सबसे निकट है। इसलिए जो कुछ उनके अपने अनुकूल लगता है, उसमें चरित्र के अनुरूप संगठन लग जाते हैं। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।



जातीय अस्तित्व का कारक हो सकता है नुकसानदायक

मोदी को देश ने भारत के पहले हिंदू नेता के रूप में सिर पर बिठाया और ऐतिहासिक लोकप्रियता दी। इसे और आगे ले जाने का दायित्व उनके नेतृत्व में समूची सरकार और भाजपा का था और है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में जातीय पहचान और जातीय अस्तित्व का कारक फिर डरावने रूप में खड़ा हुआ है। अगर तुरंत सचेत होकर इससे साहसपूर्वक राजनीतिक जोखिम उठाकर बाहर निकालने और देश को निकालने के लिए व्यवहार और नीतियां नहीं हुई तो यह फिर से बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दूसरे, जब देश को 2047 तक दुनिया की बड़ी शक्तियों के समक्ष हर दृष्टि से खड़ा करने का लक्ष्य है, तब सरकार और संसद से लेकर पार्टी के अंदर उसी तरह के प्रतिबद्ध, योग्य, समझ रखने वाले और इसके लिए ही जान लगा देने वाले लोगों की संख्या होनी चाहिए। ऐसा न हो कि पार्टी के ज्यादातर नेता स्वयं को सुरक्षित करने में लगे रहें और केवल औपचारिक रूप से कार्यक्रमों में भागीदारी हो। मोदी जी और उनके निकटतम साथी गृह मंत्री अमित शाह ने जो किया वह अद्भुत है। लेकिन क्या उनके बाद की दृष्टि से भी भाजपा में ऐसी टीम खड़ी हो रही है, जो इतनी व्यापक सोच, प्रतिबद्धता और निष्ठा से केवल देश को केंद्र में रखकर राजनीति और सत्ता संचालन करे? उनके जिम्मे ये दो महत्वपूर्ण आवश्यक दायित्व हैं जिसे उन्हें अपने सेवानिवृत होने के पहले हर हाल में पूरा करना चाहिए।

लोगों के व्यवहार में आया बदलाव

कुछ उदाहरण ले सकते हैं। सरकारी नीतियों में समाज सुधार जैसे कार्यक्रम यानी स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना ,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोग सौर ऊर्जा अपनाएं और बिजली बेचें ,खेत की मेड़ों पर वृक्ष लगाएं, फुहारे वाले यानी स्प्रिंकल सिंचाई का उपयोग करें, मोबाइल का धन लेने और भुगतान में उपयोग करें,लखपति दीदी, सरकारी जमीन और आवास घर की महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने आदि-आदि। समाज के निचले स्तर पर इनके प्रभावों का अध्ययन करने वाले निष्पक्ष लोग देख रहे हैं कि क्या हुआ। यह नहीं कहा जा सकता, जैसे लक्ष्य थे, जिस प्रकार अभियान आरंभ हुआ, वैसे ही सब कुछ हो गया। लेकिन लोगों के अंदर स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सिंचाई में पानी बचाने आदि का विचार पैदा हुआ। यह भी सच है कि अनेक राज्यों में सरकारी महकमों ने लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता फैलाने और अभियान के स्तर पर इन कार्यक्रम को सफलता तक ले जाने की ईमानदार भूमिका नहीं निभाई। अगर हमारे स्वभाव में ही गंदगी है तो फिर कोई प्रधानमंत्री पूरी तरह दूर नहीं कर सकता। बावजूद यह मानना पड़ेगा कि 2014 से लेकर 2026 तक लोगों की मानसिकता, व्यवहार और इन कार्यक्रमों की परिणतियों से बहुत बड़ा अंतर आया है।

पंचायतों की भूमिका शर्मनाक

विरोधियों में नरेंद्र मोदी और भाजपा आदि को लेकर अजीब किस्म की वितृष्णा और घृणा है। वे हर कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हैं और स्वाभाविक ही उनका जो देश के नागरिक और नेता के नाते जैसा सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है। सारे विषय सामाजिक - आर्थिक क्रांति के हैं और इसमें सबकी भागीदारी चाहिए जो नहीं हो पाई है। राहुल गांधी से लेकर अनेक नेता स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन क्या उनका दायित्व नहीं था, इसमें सहभागिता करके इसे सफलता तक ले जाने के लिए परिश्रम करें? स्वच्छता अभियान तो गांधी जी के जन्म दिवस पर आरंभ हुआ और उनके डेढ़ सौ वीं जन्म शती वर्ष को ध्यान में रखते हुए। इसी तरह प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों का कलेवर बदलने के अनेक कार्यक्रम नरेंद्र मोदी सरकार ने दिए और इसी में स्मार्ट क्लास एक था। यह सफेद झूठ है कि इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अगर आप धरातल पर जाएंगे तो बहुत कुछ हुआ लेकिन फिर सरकारी महकमों और पंचायतों की भूमिका कई स्तरों पर शर्मनाक रही है। जब ग्राम पंचायत के प्रधान वहां के वार्ड मेंबर ही चोरी करने लगेंगे और उनका उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता से ज्यादा धन कमाना होगा तो कठिनाई आएगी। जहां लोग जागरूक थे, वहां परिवर्तन आए हैं।

नई शिक्षा नीति से परिवर्तन

शिक्षा सुधार की दृष्टि से नई शिक्षा नीति स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहला प्रयास है जिसमें छात्रों के बचपन से लेकर युवावस्था तक उनकी वास्तविक प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने, अनुभवों, उनके जीवन दिशा निर्धारित होने तथा भारत की विविधताओं से एक-दूसरे से परिचित होने के कार्यक्रम हैं। जहां लागू हो रहे हैं, वहां धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। लेकिन जिन विरोधी सरकारों को केवल विरोध करना है और इसे भगवाकरण बताना है, वहां आप क्या कर सकते हैं। विदेश नीति और आतंकवाद विरोधी नीतियों तक का जब देश में विरोध होगा और एकजुटता नहीं दिखेगी, किसी भी प्रधानमंत्री के लिए शत प्रतिशत सफलता तक ले जाना कठिन होगा। इसके बावजूद मोदी सरकार ने पाकिस्तान के संदर्भ में सीमा पार आतंकवाद पर घर में घुसकर मारने का जो साहस दिखाया, उसे दुनिया स्वीकार रही है। जम्मू कश्मीर पहले से मौलिक तौर पर ज्यादा सुरक्षित हुआ है, किंतु अभी इसकी पूर्ण सुरक्षा और पाकिस्तान की हरकतों पर संपूर्ण नियंत्रण होना शेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को केंद्र बनाएं तो कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो वाकई चिंताजनक हैं और उन पर गहराई से फोकस कर काम करने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हर कटाक्ष से और मजबूत हुए मोदी



चुनौती

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में एक से बढ़कर एक नेता आए। देश की सत्ता परिवर्तन करने में कई नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया और उसी कड़ी में हाल ही के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। लगातार ढाई दशक से देश की राजनीति की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं। कई बार विभिन्न तरीके के उतार-चढ़ाव आए लेकिन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए अपने वर्चस्व को बनाए रखा। राजनीति में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और सिलसिला अभी भी जारी है। भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी का उदय और उनका लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में बने रहना समकालीन लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह सवाल कि क्या विपक्ष में कोई नेता उनका मुकाबला कर सकता है, केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी परिणामों, नेतृत्व, संगठन और वैकल्पिक नीतियों के आधार पर भी समझा जाना चाहिए । नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला और दिसंबर 2012 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान गुजरात की राजनीति में उनका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया। विकास, प्रशासन, निवेश और मजबूत नेतृत्व की छवि को उन्होंने अपने राजनीतिक संदेश का केंद्रीय आधार बनाया। उनके समर्थकों ने इस मॉडल को गुजरात के विकास से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। वर्ष 2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख चेहरा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मोदी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भाजपा ने एक बार फिर अपना बहुमत बढ़ाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और अपने दम पर बहुमत से दूर रही लेकिन एनडीए ने बहुमत प्राप्त किया और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। यह तथ्य उनके राजनीतिक प्रभाव के साथ-साथ गठबंधन की राजनीति के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टिकोण रखना है। मोदी सरकार को भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक सद्भाव, केंद्रीय संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मोदी और भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे विषयों को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सभाएं, रेडियो कार्यक्रम, डिजिटल माध्यमों पर सक्रियता और व्यापक चुनावी प्रचार उनकी राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से रहे हैं। मोदी की राजनीति की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को स्थानीय चुनावी विमर्श से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे समर्थकों तक एक स्पष्ट संदेश पहुंचता है। हालांकि, किसी भी नेता की छवि केवल उसके अपने प्रचार से निर्धारित नहीं होती; जनता का अनुभव, स्थानीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी चुनावी फैसलों को प्रभावित करता है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारतीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। बाद के दशकों में भाजपा के विस्तार, क्षेत्रीय दलों के उभार और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों ने कांग्रेस की स्थिति को चुनौती दी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी नेतृत्व को लेकर सवाल उठे। लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। कांग्रेस ने 2019 की 52 सीटों के मुकाबले 2024 में 99 सीटें हासिल कीं। विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी कई राज्यों में भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत की। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस या पूरा विपक्ष मुकाबले की स्थिति में नहीं है, चुनावी तथ्यों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। राजनीतिक मुकाबला केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होता। संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों का चयन, क्षेत्रीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण, गठबंधन, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाएं भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तमाम चुनौतियों के बाद भी मोदी ने अपनी लोकप्रियता में अब तक कोई कमी नहीं आने दी। विपक्ष द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन ने एक बार को तो मोदी को बड़ी टक्कर देने की हुंकार भी भर ली थी, लेकिन बावजूद इसके किला नहीं भेद पाए। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

संवैधानिक अधिकार की प्रतीक्षा में भोजपुरी



विचार

सुधाकर सिंह

सांसद-लोकसभा बक्सर



शिवेन्द्र राणा

परियोजना सहयोगी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हिन्दी दिवस बीता। भाषा के सम्मान के बड़े दावों में भोजपुरी भाषी समाज आज स्वतंत्रता के सात दशकों बाद भी प्रश्नवाचक मुद्रा में खड़ा है। जिसे आज भी भी संविधान से न्याय की दरकार है. किन्तु वर्तमान का कटु यथार्थ यही है कि आज सात दशकों से भी अधिक समय पूर्व भारत की स्वतंत्रता एवं संवैधानिक व्यवस्था लागू होने के बाद भी भोजपुरी एवं भोजपुरी भाषी समाज राजनैतिक वादों और संसदीय मजबूरी के बियावन में भटक रहा है।

भाषाई अस्मिता की लड़ाई के इतिहास में भोजपुरी का संघर्ष करीब पांच दशक से भी अधिक पुराना है। सर्वप्रथम कॉमरेड भोगेंद्र झा द्वारा 1969 में प्राइवेट मेंबर बिल लेकर आने से अब तक संसद में इसके लिए 18 निजी बिल आ चुके हैं। इसके अलावा कई बार ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से भी और शून्यकाल के दौरान भी इस मुद्दे को सदन में उठाया जा चुका है लेकिन कभी बोली -भाषा के भेद का तर्क पर, तो कभी नियमों की अस्पष्टता का हवाले से बात आश्वासन तक ही सीमित रही और नतीजा अनिश्चित ही रहा। वर्ष 2003 के 92वें संशोधन के पश्चात आठवीं अनुसूची में सम्मिलित होने का मार्ग क्षेत्रीय भाषाओं के लिए आज तो बन्द है।

अब संवैधानिक तर्कों एवं राजनैतिक विमर्श पर भोजपुरी के दावे का आधार भी देख लें। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 20 करोड़ भारत में और दुनिया के दूसरे 15 देशों से अधिक देशों यथा, फिजी, नेपाल, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम आदि में 4 करोड़ भोजपुरी भाषियों की संख्या का अनुमान है तथा उपरोक्त विश्व के करीब आठ अन्य देशों में भोजपुरी एक सम्मानित भाषा का दर्जा रखती है तथा वहां के शिक्षण संस्थानों एवं मिडिया जगत में भी इस भाषा का भरपूर इस्तेमाल होता है। ज्ञातव्य है कि 2016 में मॉरीशस की पहल पर यूनेस्को द्वारा भोजपुरी संस्कृति के 'गीत-गवनई' को सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिया गया। यानि तात्पर्य यह है कि आज भारत सरकार जिस भाषा को अपने मूल देश में सम्मान नहीं दे पा रही वो पहले से विश्व के कई देशों में पहले से सम्मानित है और जो काम भोजपुरी उत्पत्ति के मूल राष्ट्र भारत को करना चाहिए था उसे किसी दूसरे देश ने किया। शचीन्द्रनाथ सन्याल 'बंदी जीवन' की भूमिका में लिखा है,' ''किसी समाज को पहचानने के लिए उस समाज के साहित्य से परिचित होने की परम आवश्यकता होती है, क्योंकि समाज के प्राणों की चेतना उस समाज के साहित्य में भी प्रतिबिम्बित हुआ करती है। इसी अनुरूप यदि वास्तविक भोजपुरी समाज का सही निरुपण देखना हो तो विमलानंद सरस्वती की बउधायन, सर्वहारा के कवि जगदीश ओझा की जुलुम भइले राम, विवेकी राय की 'के कहल चुनरी रंगा ल', हृदयेश जी की भोजपुरी सतसई, रामनाथ पाण्डेय की बिंदिया, रहनिदार बेटी, रामप्रसाद राय की थरूहट के बउआ और बहुरिया जैसे भोजपुरी साहित्य का सानिध्य लीजिये, आप भोजपुरी के अंतर्मन को समझ पाएंगे।

आठवीं अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करने के पीछे संवैधानिक मान्यता मुख्यः दो उद्देश्यों पर आधारित है, पहला इन भाषाओं के सदस्यों को राजभाषा आयोग में प्रतिनिधित्व मिले और दूसरा इन भाषाओं के रूप, शैली एवं भावों का प्रयोग हिन्दी को समृद्ध बनाने में किया जाये। अर्थात क्षेत्रीय भाषा आठवीं अनुसूची की सुविधा के बदले एक अधिकार प्राप्त होता है और एक कर्तव्य पूर्ति करनी होती है। इसमें पहले अधिकार की माँग भोजपुरी कर रही है जिसके लायक उसे वर्तमान तक समझा नहीं गया और दूसरे, कर्तव्य का पालन वह दशकों से करती आ रही है। यानि भोजपुरी ने राजभाषा के सम्मान में अधिकार के बिना निरंतर दायित्व को पूर्ण किया है। हिन्दी साहित्य का सम्पूर्ण आधुनिक पूर्व का साहित्य तो पूर्व की भाषाओं - बोलियों के साहित्य, शब्द कोष और लेखन संस्कृति ओर आधारित है जिसमें भोजपुरी की प्रमुख भूमिका है।

भाषायी एकता के नाम पर एक बुद्धिजीवी वर्ग भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार का विरोधी भी है ताकि हिंदी के एकाधिकार को भोजपुरी चुनौती ना दे सके लेकिन ये कितनी विषमतापूर्ण बात है कि भाषाई एकता स्थापित करने के जूनून में देशज संस्कृतियों का दमन का प्रयास हो और भोजपुरी जैसी प्राचीन भाषा को संवैधानिक संरक्षण से वंचित कर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से वे यही कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त यह विडंबना है कि एक तरफ तो हम हर नये जनगणना आंकड़ों के साथ प्राचीन भाषाओं की विलुप्ति का रोना रोते हैं और उनके संरक्षण के लिए उद्घघोषणा और योजना निर्माण की संवेदना व्यक्त करते हैं। वही भोजपुरी जैसी समृद्ध भाषा को उसके अधिकार से वंचित करके उसके क्षरण को मूक आमंत्रण दे रहे हैं।

भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार के विरोधियों को ये भी जानना होगा कि राष्ट्रीय एकता का मजबूत लोकतान्त्रिक ढांचा भाषा, क्षेत्रवाद, जाति, पंथ जैसे क्षुद्र मुद्दों के त्याग पर खड़ा होता है और राजभाषा को समर्थवान बनाने के लिए सबसे ज्यादा त्याग हिन्दी के पक्ष में भोजपुरी ने किया है। सर्वविदित है कि भोजपुरी-अवधी के उन्नयन की समाधि पर ही हिन्दी का भव्य महल खड़ा किया गया है। हिन्दी के महानतम, मूर्धन्य साहित्यकारों भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद से लेकर आचार्य रामचंद्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी तक की समृद्ध परंपरा इन्हीं भाषा द्वय तथा इन्हीं क्षेत्रों के भूमिपुत्र थे लेकिन इन युगल भाषाओं के प्रतिनिधि क्षेत्रों की मूल सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना ने ही अपने सरस्वती के वरद पुत्रों को राष्ट्रीय एकता के सन्दर्भ में राष्ट्रभाषा हिन्दी की समृद्ध परंपरा के कर्मठ उन्नायक बनने के लिए प्रेरित किया। यह कहने का तात्पर्य है कि राष्ट्रीय एकता के लिए सभी को अपने निजी दृष्टिकोण को उदारता के सांचे में ढालने के लिए तत्पर होना चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि देश के हर भाषा एवं स्थानीय संस्कृति का संरक्षण, परिवर्धन होता रहे, इसे राष्ट्रीय दायित्व के रूप में स्वीकारना होगा।

वरन इसके दूसरे पक्षानुसार जिस तरह भाषाई अस्मिता का संघर्ष राष्ट्रीय एकता के लिए बाधा पैदा करता है, वैसे ही यह प्रादेशिक समाज में भी अंतर्विरोध पैदा करता है। इस विरोध का निशाना अकसर राजभाषा हिंदी बनती रही है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, केरल, आंध्र के भाषायी आंदोलन इसके प्रमाण हैं। हिंदी की अधिकारिता के नाम पर भोजपुरिया समाज की भावनाओं की अवहेलना उन्हें ऐसे ही उग्र आंदोलन के लिया उकसा सकता है। सवाल है कि क्या सरकार इनकी सुध तभी लेगी जब दक्षिण भारत की तरह पूर्वांचल और बिहार में अपनी भाषा के सम्मान के लिए दंगे- फसाद पर उतार आएंगे। ऐसे में, देश को भोजपुरी भाषियों के संवैधानिक आस्था और संयम की भी प्रशंसा करनी चाहिए जिन्होंने अपने वाचिक विधायी अधिकार के हेतु हिंसा और भयादोहन का सहारा नहीं लिया। किन्तु कटु यथार्थ है कि भोजपुरी हिंदी के सर्वांगीण प्रसार के समक्ष अपनी जीवंत संवेदना के प्रतिरोध से आज तक स्वतंत्र अस्तित्व कायम किये हुए है, जो अब खतरे में दिख रहा है। जिन्होंने ये प्रश्न किया है कि भोजपुरी का क्या शैक्षाणिक उपयोग है उनसे पहले ये प्रश्न किया जाना चाहिए कि डोगरी, नेपाली आदि भाषाएँ जो संवैधानिक सूची में दर्ज हैं, उनका क्या उपयोग है या यूजीसी के पाठ्यक्रम में शामिल बाकी सैकड़ो विषयों की किसी व्यक्ति के जीवन में क्या उपयोगिता है? उन्हें ये भी जानना चाहिए कि उपयोगिता तय करना या बढ़ाना सरकार और सत्ता तंत्र का काम हैं, क्योंकि जब समाज की मातृ भाषा रोजगार और व्यापार की भी भाषा बनेगी तो उसकी राष्ट्रीय उपयोगिता स्वतः सिद्ध होगी। अतः अपनी कार्यात्मक काहिलियत छुपाने के लिए सत्ता तंत्र प्रायोजित बुद्धिजीवियों द्वारा ऐसे ओछे तर्क नहीं दिये जाने चाहिए। आज काशी हिंदू विश्वविद्यालय, शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि, वीर कुंअर सिंह वि.वि., इंदिरा गांधी राष्ट्रीयमुक्त वि.वि., नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा जैसे देश के लगभग दर्जन भर से अधिक विश्वविद्यालयों में भोजपुरी से जुड़े पाठ्यक्रम चल रहे हैं लेकिन इस भाषा से सम्बंधित और आधारित रोजगार और व्यवसाय के भविष्य पर भी सत्ता तंत्र मौन रहे हैं और यदि सवाल भाषा बोलने वालों की संख्या पैमाना हैं तो आठवीं अनुसूची में शामिल मैथिली, सिंधी, डोगरी और नेपाली,कोंकणी जैसी लगभग दस भाषाओं के बोलने वालों से भोजपुरी भाषियों की संख्या कही अधिक है तो फिर भोजपुरी को संवैधानिक अधिकार से वंचित करने के पीछे क्या तर्क शेष रहता है?

देश ने अपना खोया गौरव हासिल किया



उपलब्धि

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

साल अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि वे एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे वजहें भी थीं। मोदी का गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य को चार मुख्यमंत्रियों को देखना पड़ा था। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं थे और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित हो चुके थे।

इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत बन चुके हैं। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और सर्वस्वीकार्यता कम ही मिलती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिल जाता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं हो रही थीं, जैसे आज मोदी के कई कदमों की कटु आलोचना उनके वैचारिक विरोधी करते हैं। वैसे भी भारतीय समाज पदधारियों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, समाज उसका कुछ अपवादों को छोड़ प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण लें सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे और आडवाणी कट्टर। लिहाजा वे आलोचनाओं के केंद्र में थे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में आने वाले दिनों में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का दूसरा नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। मोदी की सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही, इसमें वे कामयाब रहे। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड की वजह से भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। लेकिन मोदी गजब जीवट के धन

बिलासपुर

रविवार 11 अक्टूबर 2026

आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा

वर्ष : 26, अंक : 201

पृष्ठ : 12+12 = 24 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 35.7

न्यून. 24.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

दिल्ली में नहीं जुट पाए 'कॉकरोच', हिरासत में दिपके, ममता समेत 7000 प्रदर्शनकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में शनिवार को विरोध प्रदर्शन हुए। इस दौरान पुलिस ने 7000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए।

पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सीएम ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम और ⏭शेष पेज 6 पर







कई ट्रेनें रहीं रद्द, कुछ के स्टेशन बदले गए

राहुल बोले

ज्ञानेश जाएंगे यह सरकार जाएगी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार भी जाएंगे तथा मोदी सरकार भी जाएगी। इसके बाद लोकतंत्र को दुरुस्त करने का काम शुरू होगा। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ज्ञानेश कुमार जाएंगे। यह सरकार जाएगी।

दिपके को विमान में ही रोका

कॉकरोच जनता पार्टी ने दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस ने उसके नेताओं अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को विमान के उतरते ही उसके अंदर से हिरासत में ले लिया। कॉजपा की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में, विमान के अंदर दाखिल हुए पुलिस अधिकारियों से दीपके यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, पुलिस विमान से बाहर उतरने नहीं दे रही है।

बोलीं ममता

आपातकाल से आगे

ममता बनर्जी ने शनिवार को हिरासत से छोड़े जाने के बाद दिल्ली के हालात को लेकर कहा कि स्थिति आपातकाल से भी आगे निकल गई है। उन्होंने अपनी हिरासत की तुलना अपहरण जैसी स्थिति से की। उन्होंने कहा कि पहली बार उन्हें जेल वैन में बैठाकर ले जाया गया।

चुनाव जीतने पर व्यवस्था सही, तो हारने पर धांधली के आरोप क्यों

देश के 124 पूर्व अधिकारियों ने लिखा खुला पत्र

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और अन्य संबद्ध सेवाओं के 124 पूर्व अधिकारियों ने देश के नागरिकों के नाम एक खुला पत्र जारी कर निर्वाचन आयोग एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने बिना किसी ठोस सबूत के चुनाव में धांधली के आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाए हैं। पूर्व अधिकारियों ने कहा कि इसी निर्वाचन आयोग के तहत केंद्र में ⏭शेष पेज 6 पर

बिहार चुनाव का दिया उदाहरण

अधिकारियों ने पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव का उदाहरण दिया, जिसमें किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान नहीं कराना पड़ा। 1951 के बाद सबसे अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। इसमें एक से अधिक निर्वाचन आयुक्त होने और संस्थागत सुरक्षा के प्रावधान इसकी निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं।

Dinh
24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

'रील' बनाने के चक्कर में दो की चली गई जान

भुवनेश्वर। सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में ओडिशा में 24 घंटे के भीतर अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बौध जिले में हुई, जहां खुर्दा-बोलांगीर रेल मार्ग पर कथित तौर पर रील बना रहे एक लड़के की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। लड़का शुक्रवार शाम रेलवे पटरी के पास रील बना रहा था।

कंटेनर ने मारी टक्कर, 4 की मौत

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर में शनिवार सुबह श्रद्धालुओं को ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को एक कंटेनर ने टक्कर मार दी, जिससे चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान अमन राणा (25), सागर (22), पंकज (25) और रमेश (55) के रूप में हुई है। हादसा देवबंद थाना क्षेत्र में एक फ्लाईओवर के पिलर संख्या 13 के पास हुआ।

सीएचओ का इंटेसिव जांच के दायरे में, अनियमितता की ढेरों शिकायतें विभाग हुआ अलर्ट

प्रोत्साहन राशि के नाम पर स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों का घोटाला, प्रदेशभर में होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कैंसर, टीबी की स्क्रीनिंग सहित 12 तरह के काम करने वाले कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों की प्रोत्साहन राशि के नाम पर करोड़ों रुपए की गड़बड़ी का संदेह हैं। कार्यों में अनियमितता की ढेरों शिकायतों के बाद भी उन्हें इंटेसिव का भुगतान किया जाता है। गड़बड़ी के संदेह के आधार पर राज्यभर में इसकी जांच के आदेश हुए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अपर संचालक ने तमाम सीएमएचओ से इसकी जांच और आवश्यक कार्रवाई करते हुए जांच प्रतिवेदन मांगा है।

राज्यभर में संचालित होने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी यानी सीएचओ को पदस्थ किया जाता है। इन्हें साढ़े 16 हजार रुपए मानदेय दिया जाता है और एनसीडी कार्यक्रम, कैंसर, कुष्ठ, टीबी की स्क्रीनिंग के साथ गर्भवती महिलाओं की देखभाल सहित 12 तरह का काम पूरा करने की जिम्मेदारी होती है। इसके बदले विभाग इन्हें पांच से 15 हजार रुपए तक हर महीने प्रोत्साहन राशि प्रदान करता है, जिसे शिकायतों के आधार पर जांच के दायरे में लाया गया है। शिकायतों के मुताबिक, विभिन्न तरह की महती जिम्मेदारी उठाने वाले इन कर्मचारियों के मुख्यालय में निवास नहीं करने, समय पर ड्यूटी पर नहीं जाने विभाग ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

तमाम सीएमएचओ से मांगा गया जांच प्रतिवेदन एनएचएम की चिट्ठी से मचा हड़कंप





मांगा गया प्रतिवेदन

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहन राशि में अनियमितता की शिकायतें मिल रही थीं। इस आधार पर सभी सीएमएचओ को जांच कर आवश्यक करने करने निर्देश दिया गया है। साथ ही इस संबंध में उनसे प्रतिवेदन भी मांगा गया है। - **इंद्रजीत बर्मन**, अपर संचालक,

टार्गेट दिखाने इंटेसिव का शक

सूत्रों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) जिला और विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक के निर्देश पर काम करते हैं। स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं को जिले में सफलतापूर्वक लागू करने की जिम्मेदारी इन्हीं की होती है। विभाग स्तर पर दिए जाने वाले टार्गेट को पूरा कर इन्हें अपनी परफार्मेंस दिखानी होती है। आंकड़ों के खेल को कई चुनिंदा सीएचओ पूरा करते हैं और इसके बदले उन्हें ज्यादा इंटेसिव प्रदान किया जाता है।

बेमेतरा से निकली शिकायत

कुछ समय पहले बेमेतरा जिले में कुछ सीएचओ द्वारा गलत तरीके से प्रोत्साहन राशि आहरित करने का मामला सामने आया था। इस दौरान कुछ सीएचओ का वेतन रोकने की कार्रवाई भी हुई थी। बाद में विरोध-प्रदर्शन के बाद मामला ठंडा पड़ गया था। समय बीतने के बाद इस प्रोत्साहन राशि वितरण को जांच प्रक्रिया में लाने की आवश्यकता महसूस हुई। शनिवार को इस बारे में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के छत्तीसगढ़ मुख्यालय से जांच का आदेश जारी कर दिया गया।

फांसी की सजा पाने वाले कुलदीप सहित तीनों दोषी रायपुर केन्द्रीय जेल शिफ्ट



कुलदीप को सशस्त्र बल के साथ सुबह सुबह किया गया रवाना, दोपहर में जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपी कुलदीप साहू को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद रायपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। सशस्त्र बल की कड़ी सुरक्षा के बीच अल सुबह 6 बजे कुलदीप साहू को रवाना किया गया था और दोपहर 12 बजे तक वह केन्द्रीय जेल रायपुर में शिफ्ट कर दिया गया। वहीं फूल सिंह और चंद्रकांत उर्फ सीके को शुक्रवार को ही रायपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। जबकि आर्यन विश्वकर्मा केन्द्रीय जेल सरगुजा में ही रहेगा। तीनों कैदियों को ⏭शेष पेज 6 पर

24 घंटे की निगरानी में था आरोपी

फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी कुलदीप को केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में अलग सेल में रखा गया था और 24 घंटे की निगरानी की जा रही थी ताकि वह कोई घातक कदम ना उठाए। जेल प्रबंधन के अनुसार सजा सुनने के बाद उसका व्यवहार मिश्रित रहा। कुलदीप को यह उम्मीद है कि वह अभी सुप्रीम कोर्ट से अपील कर राहत पा सकता है इसलिए रायपुर शिफ्ट किए जाने के दौरान भी उसका व्यवहार सामान्य ही रहा।

स्टेशन चमकाने रेलवे ने खर्च किए 4 करोड़, रेलमंत्री का चार साल में तीसरी बार दौरा रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आरपीएफ स्थापना दिवस पर आने वाले थे रेल मंत्री, महीनेभर से चल रही थीं तैयारियां

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रस्तावित रायपुर दौरा कार्यक्रम से दो दिन पहले रद्द हो गया।

समारोह में उन्हें आरपीएफ की परेड और अन्य आयोजनों में शामिल होना था। उनके आगमन को लेकर रेलवे प्रशासन ने करीब महीनेभर पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। रायपुर रेलवे स्टेशन की मरम्मत और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर



रेलमंत्री का दौरा रद्द

आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस पर प्रस्तावित रेलमंत्री का दौरा रद्द हुआ है। आरपीएफ की परेड व अन्य आयोजन होंगे।

- **सुस्कर विपुल विलासराव**, सीनियर डीसीएम, रायपुर

सामान्य सालाना खर्च से चार गुना राशि का टेंडर

रेलमंत्री के दौरे की तैयारियों के बीच रायपुर स्टेशन की मरम्मत और रखरखाव के लिए चार करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया गया था। रेलवे स्टेशन की सालाना मरम्मत और रखरखाव पर सामान्य तौर पर करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही जाती है। इस बार मरम्मत कार्य के लिए जारी टेंडर की राशि सामान्य सालाना खर्च की तुलना में चार गुना है। हालांकि स्टेशन का पुनर्विकास गति शक्ति योजना के तहत पहले से ही चल रहा है। टेंडर के बाद संबंधित एजेंसी ने स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में मरम्मत और सुधार कार्य किए। प्लेटफॉर्म और स्टेशन भवन के खराब हिस्सों में गटर शीट, कोटा स्टोन, ग्रेनाइट और चकर टाइल्स की मरम्मत की गई। पटरियों के किनारे पड़े पत्थरों की सफाई की गई। पाइपलाइन में सुधार के साथ जरूरत वाले हिस्सों में पेंटिंग भी कराई गई।







गड़बड़ी और लापरवाही पर 5 पटवारी निलंबित

महासमुंद। डिजिटल फसल सर्वेक्षण में लापरवाही और जमीन की गड़बड़ी करने पर महासमुंद जिले के 5 पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है कि राजस्व संबंधी कार्यों की नियमित समीक्षा के बाद और कारण बताओ नोटिस का समाधानकारक जवाब नहीं मिलने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने यह कार्रवाई की है। षशासन द्वारा 2026-27 के डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु तमाम कार्यवाही 30 सितंबर 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन तीन पटवारियों ने काम ही शुरू नहीं किया, कारण पूछने पर संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया गया। इनमें बसना तहसील के पटवारी उदय प्रकाश राजपूत, बागबाहरा तहसील की पटवारी कंचन साहू व पटवारी लुकेश यादव शामिल हैं। जबकि सरायपाली तहसील के पटवारी जितेंद्र सिंह बाघ को ग्राम पड़कीपाली में शासकीय जमीन को अपनी मनमर्जी से दूसरे कृषक के नाम पर पटवारी अभिलेख में दर्ज करने के आरोप में निलंबित किया गया है। वहीं महासमुंद के पटवारी हरीश चंद्राकर को ग्राम बड़गांव में खसरा नंबर की वास्तविक स्थिति को छुपाकर दोबारा नामांतरण करने और डिजिटल फसल सर्वेक्षण का निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन नहीं करने के कारण निलंबित किया गया है।



संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

{ आवरण कथा / शिखर चंद जैन }

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

{ आस्था / अंजू जैन }



भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

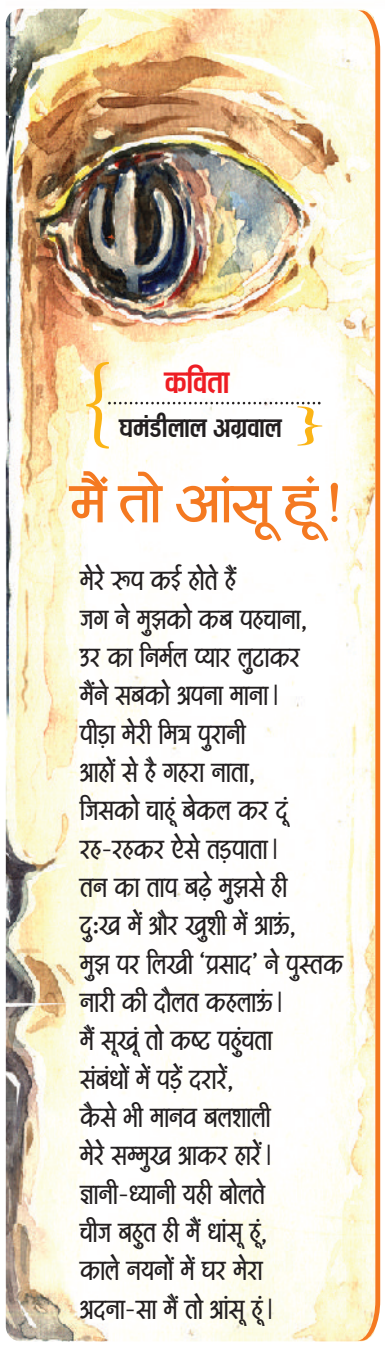
मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *



{ कविता / घमंडीलाल अग्रवाल }

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

{ व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर }

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

{ लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा }

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता।



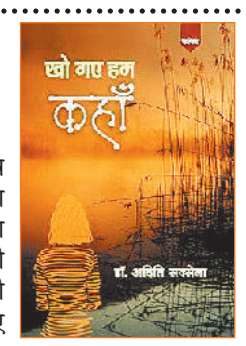
उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कविताएं



पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली



300 करोड़ की लागत से बनेंगे 4 फ्लाईओवर, इनमें एक करंसी टॉवर वीआईपी रोड से गौरवपथ तक ब्रिज के ऊपर से गुजरेगा

राजधानी में ऐसा पहला फ्लाईओवर, जो ब्रिज के ऊपर से गुजरेगा, सिग्नल चौक पर जाम से मुक्ति दिलाने बनाएंगे फ्लाईओवर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ती जनसंख्या के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है। इस कारण अब शहर की प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक समस्या से हर कोई परेशान है। इसे देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अब राजधानी में लगभग 3 सौ करोड़ रुपए की लागत से 4 नए फ्लाईओवर बनाने जा रहा है। इसके लिए एनएचएआई ने टेंडर भी निकाल चुका है। इन चार फ्लाईओवर में करंसी टॉवर वीआईपी रोड के पास से गौरवपथ तक बनने वाला फ्लाईओवर सबसे लंबा होने के साथ रायपुर का पहला ब्रिज होगा, जो दूसरे ब्रिज के ऊपर से गुजरेगा। प्रदेश में इस तरह के फ्लाईओवर अब तक दुर्ग, बिलासपुर आदि जैसे कुछ चुनिंदा शहरों में ही बने हैं।

एनएचएआई के जारी किए गए टेंडर के अनुसार रायपुर में तेलीबांधा, उद्योग भवन, अग्रसेन चौक तथा सरोना चौक के पास फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। इन चारों जगह फ्लाईओवर बनाने का मुख्य उद्देश्य इन मार्गों की मुख्य सड़क पर क्रॉसिंग, चौक पर लगे ट्रैफिक सिग्नल के कारण लगने वाला जाम है। रेड सिग्नल के कारण अक्सर सड़कों पर गाड़ियों का लंबा रेला लग जाता है, जिसके कारण बार-बार जाम की स्थिति भी बनती है। इन सिग्नल चौक पर फ्लाईओवर का निर्माण होने से शहर के अंदर और बाहर जाने वाली गाड़ियां बिना सिग्नल में फंसे फ्लाईओवर से जा पाएंगी। इससे मुख्य सड़कों पर गाड़ियों का दबाव भी कम होगा तथा जाम से मुक्ति मिलेगी।

रायपुर में करंसी टॉवर राम मंदिर के पास वीआईपी रोड से तेलीबांधा थाना होकर गौरवपथ मार्ग पर एक्सप्रेस-वे के पहले उतरेगा। यह फ्लाईओवर दूसरे ओवरब्रिज से लगभग 5 से 6 मीटर ऊपर से गुजरेगा। इस फ्लाईओवर के बनने से वीआईपी रोड से शहर में आने वाली गाड़ियां बिना किसी रुकावट के सीधे शहर में दाखिल हो पाएंगी। यह रायपुर का पहला फ्लाईओवर भी होगा, जो किसी ओवरब्रिज के ऊपर से गुजरेगा। एनएचएआई के अफसरों के अनुसार अग्रसेन धाम चौक, उद्योग भवन एवं सरोना चौक के पास भी सिग्नल चौक के ऊपर से फ्लाईओवर के बनने से मुख्य मार्गों पर गाड़ियों का दबाव कम पड़ेगा। शहर के अंदर और बाहर जाने के लिए फ्लाईओवर से बिना रुके गाड़ियां चलेंगी, जिससे सिग्नल चौक पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी।

इन जगहों पर बनेंगे फ्लाईओवर
अग्रसेन चौक 1 किमी.
तेलीबांधा 1.5 किमी.
उद्योग भवन 1 किमी.
सरोना चौक 1 किमी.

बनेंगे 4 फ्लाईओवर
लगभग 3 सौ करोड़ रुपए की लागत से 4 नए फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। 28 अक्टूबर तक आवेदन मंगाए गए हैं। 29 अक्टूबर को टेंडर खोला जाएगा।
- **दिग्विजय सिंह**, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई, रायपुर

ट्रक की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में हाईवे पर ट्रक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। ट्रक की चपेट में आने से घनश्याम साहू (62) की मौत हुई है। बताया जा रहा है, मृतक एक अन्य के साथ एक्टिवा से महावीर नगर की ओर से आ रहे थे। इस दौरान पीडब्ल्यूडी ब्रिज के पास एक्टिवा अनियंत्रित हो गई। गाड़ी के अनियंत्रित होने से एक्टिवा सवार गिर गए। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक से घनश्याम बुरी तरह से कुचल दिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कैबिनेट की बैठक आज

कर्मचारियों, किसानों से धान खरीदी सहित अन्य मुद्दों पर हो सकता है निर्णय

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 11 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक सीएम हाउस में दोपहर 12 बजे से होगी। पिछले सप्ताह हुई बैठक के बाद फिर बैठक हो रही है, ऐसे में कई लंबित मुद्दों पर कैबिनेट में फैसले की संभावना है।



30 सितंबर के बाद अब 11 अक्टूबर को फिर कैबिनेट बुलाए जाने से उन मुद्दों को लेकर अटकलें तेज हैं, जिन पर सरकार फैसला कर सकती है। नवरात्रि के दौरान होने वाली इस बैठक को संभावित राहत और घोषणाओं से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कैबिनेट में कर्मचारियों, किसानों की धान खरीदी, महिला-युवा मुद्दे और कानूनी मामलों से जुड़े प्रस्तावों लाए जाने की संभावना है।

कैशलेस इजाज का प्रस्ताव

बैठक में कर्मचारियों के कैशलेस इलाज की व्यवस्था पर निर्णय हो सकता है। उनका प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जा चुका है। अगर इस पर सहमति बनती है तो कर्मचारी और उनके आश्रित सीधे सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज करा सकेंगे। कैबिनेट चर्चा करने के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा।

राजनीतिक प्रकरणों पर अंतिम मंजूरी

30 सितंबर को डिप्टी सीएम विजय शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुछ राजनेताओं से जुड़े कानूनी मामलों पर अनुशंसा की गई थी। अब इन मामलों को कैबिनेट के सामने लाकर अंतिम मंजूरी देने की संभावना जताई जा रही है।

धान खरीदी पर भी चर्चा

धान खरीदी का सीजन करीब है। ऐसे में किसानों से जुड़े फैसले भी आ सकते हैं। धान खरीदी की तैयारी, धान खरीदी की तिथि, किसानों को मिलने वाली सुविधाओं और व्यवस्था से जुड़े प्रस्तावों पर सरकार फैसला कर सकती है।

खारुन नदी का दम घोंट रही है टेंट हाउसों की गंदगी

रायपुर । रायपुर की जीवनदायनी खारुन नदी प्रदूषण और अनदेखी की मार झेल रही है। 'जीवनदायनी' कहलाने वाली यह नदी खुद अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। हैरानी की बात यह है कि नदी को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी जहां सबकी है, वहीं प्रशासन की नाक के नीचे टेंट हाउसों के गंदे और भारी सामान की सफाई इसी नदी में धड़ल्ले से चल रही है। इसी नदी की लोग श्रद्धा के साथ पूजा करते हैं। धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। लेकिन हरिभूमि ने नदी में गंदगी साफ करते हुए दर्जनों लोगों को देखा। नदी किनारे की ये तस्वीरें शादी-ब्याह और अन्य आयोजनों में इस्तेमाल होने वाले बड़े-बड़े शामियाने और अन्य कपड़ों को नदी में धोया जा रहा है। इन गंदे कपड़ों से निकलने वाला रसायन, डिटर्जेंट और गंदगी सीधे नदी के पानी में मिल रही है। यह न केवल पानी को प्रदूषित कर रहा है बल्कि नदी में रहने वाले जलीय जीवों के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है।

पौने तीन साल में राम वनगमन पथ पर एक ईंट भी नहीं लगी

नाकामी छिपाने नए स्थलों का राग अलाप रही भाजपा सरकार : सुशील

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में श्रीराम वनगमन पथ के विकास को लेकर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि सरकार ने पौने तीन साल में श्रीराम वनगमन पथ के विकास के लिए एक ईंट तक नहीं लगवाई। उन्होंने कहा, 31 नए स्थलों को चिन्हांकित करने की घोषणा पुराने कार्यों को रोकने और अपनी नाकामी छिपाने का बहाना है।

श्री शुक्ला ने कहा, चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर परिसर में भगवान राम की मूर्ति बदलने का काम भी अब तक पूरा नहीं हुआ है। उनके अनुसार, भाजपा सरकार राम वनगमन पथ के विकास के बजाय इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने राम वनगमन पथ के 10 स्थलों को विकसित किया था। सीतामढ़ी हरचौका से रामाराम तक लगभग 2260 किलोमीटर के मार्ग को विकसित करने की योजना बनाई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आने के बाद इस परियोजना का काम रोक दिया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भगवान राम के नाम पर राजनीति कर रही है, जबकि धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास में उसकी रुचि नहीं है।

अधूरे कार्यों को पहले पूरा करें

उन्होंने कहा, भाजपा 15 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद भगवान राम और माता कौशल्या से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पर्याप्त काम नहीं कर पाई थी। उन्होंने केंद्र सरकार की रामायण सर्किट योजना में छत्तीसगढ़ के किसी भी स्थल को शामिल नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए। श्री शुक्ला ने मांग की कि राज्य सरकार नए स्थलों की घोषणा के साथ-साथ पहले से प्रस्तावित श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के अधूरे कार्यों को भी पूरा करे।





Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th Nov 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000 - ₹10000) is available on all HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank Credit Cards (Tenure 6 months to 24 months). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th Nov 2026. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: BILASPUR: Dream Honda - 9926802408; Maosaji Honda - 7024149881; **AKALTARA:** Bhagwati Honda - 9827527016; **AMBIKAPUR:** Mahamaya Honda - 7489027000; Jaswani Honda - 8358065000; **BAIKUNTHPUR:** Pramila Honda - 7000405012; **BARADWAR:** Ganpati Honda - 7974875687; **BILHA:** Sai Honda - 9179256022: **KAWARDHA:** Pratha Honda - 7400550099; **DHARAMJAIGARH:** Harsh Honda - 9424180180; **JANJGIR CHAMPA:** Gattani Honda - 7694011206; Shubh Honda (Baloda) - 8574921111; **JASHPUR:** Deo Narayan Honda - 9425251702; **KHARSIA:** Balaji Honda - 8269515770; **KORBA:** Vishal Honda - 9479025937; **PALI:** Jai Mahamaya Honda - 7828132008; **KATHGORA:** Mahadev Honda - 7709859173; Krishna Korba Honda - 7747015377; JP Honda (Hardi Bazar) - 9826129114; Bharat Honda (Gevra Basti) - 09301001739; **KOTA:** Prakash Honda - 9826417995; **KUNKURI:** Mansharam Honda - 8103798783; **LAILUNGA:** Atul Honda - 9424188280; **LORMI:** Mansi Honda - 9685010000; **MANENDRAGARH:** Harsh Honda - 9993883343; **MASTURI:** Rahul Honda - 9098619245; **PALI:** Mahamaya Honda - 8770804342; **PAMGARH:** Gautam Honda - 8962109746; **PANDARIYA:** Shri Balaji Honda - 9577550099; **PENDRA ROAD:** Dev Honda - 9752998221; **RAHOD:** Shri Balaji Honda - 9977311242; **RAIGARH:** Sharda Honda - 8103664400; Shanti Auto Honda - 9343609280; **RAJPUR:** Maa Mahamaya Honda - 9424259688; **RAMANUJGANJ:** Vikas Honda - 9926158656; **RATANPUR:** Sunil Honda - 9893354893; **SAKTI:** Maa Durga Honda - 9685927215; **SARAIPALI:** Pukhraj Honda - 8889798000; **SARANGARH:** Shanti Honda- 9201826679; **SARSIVA:** Kanisk Honda - 9575533947; **SHEORINARAYAN:** Arav Honda - 9713022700; **SITAPUR:** Akash Honda - 9617378301; **PRATAPUR:** Shri Banbhori Honda - 8120806101; **SURAJPUR:** Maa Mahamaya Honda - 8223999666; **TAKHATPUR:** Dream Honda - 9303005917; **TAPKARA:** Jindal Honda - 9406384666; **WADRUFNAGAR:** KP Auto - 9826881578; **BILASPUR SAKRI:** Dream Honda Branch - 9516661444; **BILASPUR DAYALBANDH:** Maosaji Honda Branch - 9109690484; **GAURELLA:** Shyam Honda - 7024806222; **AHIWARA:** Kabiram Honda - 8319225193; Shree Sairam Honda (Risali) - 8823050333; **DANTEWADA:** Ansh Honda - 7000396031; **NEHRU NAGAR:** Aan Honda - 8518020999; **MUNGELI:** S. Mansi Honda - 9131402454; **BATAULI:** Ankan Honda - 9203617070: **CHOWKI:** Manraj Honda - 9424153947.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

एक पन्ने की वित्तीय योजना से बिखरे पैसे को दें सही दिशा

▶▶ कमाई आते ही तय करें किस हिस्से से खर्च, सुरक्षा, कर्ज और निवेश ▶▶ छोटी लेकिन स्पष्ट योजना लंबे समय में बना सकती है बड़ा कोष ▶▶ बीमा, आपातकालीन निधि, कर्ज और निवेश का तय करें क्रम ▶▶ हर महीने आय आते ही पैसा अपने लक्ष्य के अनुसार ही करें आवंटित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कमाई अच्छी होने के बावजूद कई लोगों की आर्थिक स्थिति इसलिए मजबूत नहीं हो पाती, क्योंकि उनका पैसा अलग-अलग जगह बिखरा रहता है। किसी बैंक खाते में कुछ रकम, कहीं बीमा पॉलिसी, क्रेडिट कार्ड का बकाया, किसी म्यूचुअल फंड में छोटी-सी राशि और थोड़ी बचत घर में... लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कुल संपत्ति कितनी है और किस लक्ष्य के लिए कितना पैसा जमा किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जरूरत निवेश के नए विकल्प तलाशने की नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पैसों को व्यवस्थित करने की होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई जटिल वित्तीय योजना बनाई जाए। एक पन्ने पर आय, खर्च, कर्ज, सुरक्षा और निवेश की पूरी तस्वीर लिखना भी काफी मददगार हो सकता है। इस योजना का मकसद यह तय करना है कि कमाई खाते में आते ही पैसा कहां और कितना जाएगा, ताकि खर्च के बाद जो बचे उसी से निवेश करने की आदत न बने।

पहला कदम : आर्थिक सुरक्षा मजबूत करें

निवेश शुरू करने से पहले वित्तीय सुरक्षा की नींव मजबूत करना जरूरी है। यदि परिवार में आपकी आय पर दूसरे सदस्य निर्भर हैं तो पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और जरूरत के अनुसार टर्म जीवन बीमा पर ध्यान देना चाहिए। बीमा का उद्देश्य निवेश से कमाई करना नहीं, बल्कि अचानक आने वाले बड़े आर्थिक संकट से परिवार को बचाना है। इसी तरह कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि के रूप में अलग रखना उपयोगी है। इसे ऐसे साधन में रखा जाना चाहिए, जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से उपलब्ध हो। इस पैसे को शेयर बाजार में लगाकर ज्यादा रिटर्न कमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

दूसरा कदम : महंगे कर्ज से पहले छुटकारा

अगर क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण या किसी तत्काल ऋण पर बहुत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है तो निवेश बढ़ाने से पहले ऐसे कर्ज को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मसलन, क्रेडिट कार्ड का बकाया लंबे समय तक छोड़ने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे कर्ज के रहते बाजार में निवेश करके ज्यादा रिटर्न कमाने की उम्मीद करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं। सामने बकाया रकम, ब्याज दर और हर महीने की किस्त लिखें। ज्यादा ब्याज वाले असुरक्षित कर्ज को पहले चुकाने की कोशिश करें।



हर महीने नहीं, समय समय पर करें समीक्षा

वित्तीय योजना का मतलब रोज शेयर बाजार देखना या बार-बार निवेश बदलना नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लंबी अवधि के निवेशक के लिए अनुशासन और निरंतरता ज्यादा महत्वपूर्ण है। हां, आय बढ़ने, नौकरी बदलने, शादी, बच्चे होने, घर खरीदने या बड़े कर्ज जैसी परिस्थितियों में योजना की समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

तीसरा कदम : लक्ष्यों के हिसाब से करें निवेश

सारी बचत को एक ही जगह लगाना सही रणनीति नहीं है। पहले यह तय करें कि पैसा कब चाहिए। पांच साल से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर है। वाहन खरीदना, घर की मरम्मत, बच्चों की निकट अवधि की फीस या अन्य जरूरी खर्च इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए सुरक्षित बचत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वहीं 10 साल या उससे अधिक अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति, बच्चों की उच्च शिक्षा या लंबे समय में संपत्ति बनाने जैसे लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड या व्यापक बाजार सूचकांक आधारित फंड विकल्प हो सकते हैं। हालांकि निवेश का चुनाव व्यक्ति की जोखिम क्षमता, उम्र, आय और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

चौथा कदम : निवेश को अपने आप चलने दें

वित्तीय योजना तभी सफल होती है जब उसे नियमित रूप से लागू किया जाए। इसके लिए एसआईपी जैसी स्वचालित व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। वेतन या आय खाते में आते ही निर्धारित रकम निवेश के लिए अलग हो जाए तो महीने के अंत में बची रकम निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। मान लीजिए किसी व्यक्ति की मासिक आय 60 हजार रुपये है। वह जरूरी खर्च और सुरक्षा की रकम तय करने के बाद 10 हजार रुपये लंबे समय के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहता है। यदि हर महीने एक निश्चित तारीख को यह रकम स्वतः निवेश हो जाए तो बाजार की रोजाना की खबरों या मूड के आधार पर निवेश रोकने की संभावना कम होगी।

5वां कदम : लिखें पूरी तस्वीर

- मासिक आय : कितनी रकम हाथ में आती है।
- जरूरी खर्च : घर चलाने में कितना खर्च होता है।
- कर्ज : कितना बकाया है और ब्याज।
- आपातकालीन निधि : कितनी रकम अलग रखी।
- बीमा : स्वास्थ्य और जीवन बीमा कितना है।
- निवेश : हर महीने कितनी रकम और किस लक्ष्य के लिए निवेश होगी।
- लक्ष्य : अगले 3, 5, 10 और 20 साल में किन जरूरतों के लिए पैसा चाहिए।
- एक पन्ने से व्यक्ति को हर माह यह समझने में आसानी होगी कि उसकी आय कहां जा रही है व भविष्य के लिए कितना पैसा तैयार हो रहा है।

पुराने खातों और निवेश की भी करें सफाई

कई लोगों के पास जरूरत से ज्यादा बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड और छोटे-छोटे निवेश होते हैं। समय-समय पर इनकी समीक्षा करनी चाहिए। जिन खातों या कार्ड का उपयोग नहीं हो रहा है, उनकी जरूरत और शुल्क की जांच करें। अलग-अलग निवेशों की सूची बनाकर देखें कि कहीं एक ही तरह के कई उत्पाद तो नहीं हैं। साथ ही बैंक खाते, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर और अन्य वित्तीय निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी-सी सावधानी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पैसा बचाना ही पर्याप्त नहीं, उसे सही दिशा देना जरूरी

एक अच्छी वित्तीय योजना वह नहीं जिसमें सबसे ज्यादा निवेश उत्पाद हों, बल्कि वह है जिसमें हर रुपये की भूमिका स्पष्ट हो। पहले सुरक्षा, फिर महंगे कर्ज से मुक्ति और उसके बाद लक्ष्य आधारित निवेश—यह सरल क्रम आर्थिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। योजना एक बार बनाकर भूलने के बजाय साल में कम से कम एक बार उसकी समीक्षा करें। धीरे-धीरे आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम बढ़ाते रहें। यही अनुशासन लंबे समय में छोटी बचत को बड़ा वित्तीय सहारा बना सकता है।

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

जानकारी
बिजनेस डेस्क

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।

सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि

यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।



महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें

क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा

निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक सावधि जमा, आवर्ती जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प

लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें

मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा। कार के लिए रखा पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

- सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं
- वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
- पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष
- लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

योजना
बिजनेस डेस्क

कई लोगों की कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अच्छे महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आया बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बची रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बदलती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमीशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट

सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीनों में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाया जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें से किराया, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।



वेतन आते ही पहले बचत करें

नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को भुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाएं। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के भरोसे रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं

यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर भुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाया जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर भुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें

बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष, बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समय निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बंद न हो।

इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचतः तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्चः बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अच्छे महीने में बचतः इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निर्धारित करनाः लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करनाः आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

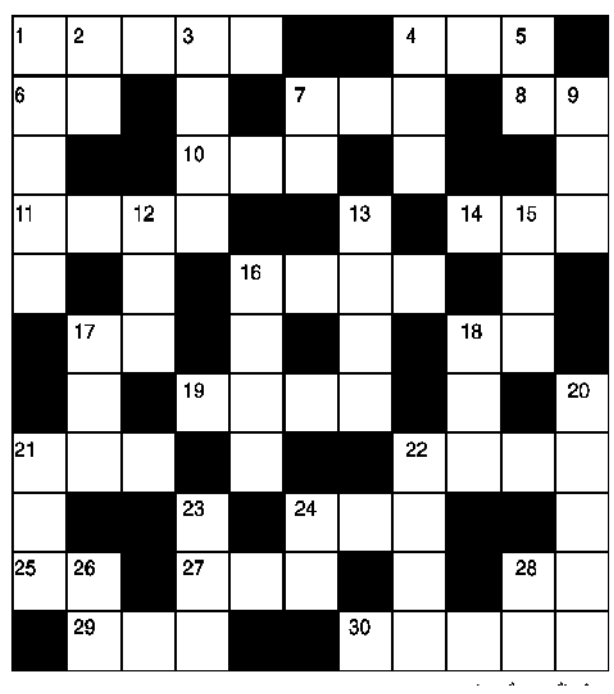
कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

बच्चे के नाम हर महीने बचत, तैयार होगा एक लाख का फंड
एसबीआई की 'हर घर लखपति' आरडी में 6.7% सालाना ब्याज

बच्चे की पढ़ाई, उच्च शिक्षा या भविष्य की किसी बड़ी जरूरत के लिए समय रहते बचत शुरू करना समझदारी है। ऐसे में अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव से अलग रहकर हर महीने एक निश्चित रकम जमा करना चाहते हैं, तो भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई की 'हर घर लखपति' योजना एक विकल्प हो सकती है। यह कोई अलग निवेश उत्पाद नहीं, बल्कि रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी का एक रूप है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम जमा करता है और तय अवधि पूरी होने पर जमा रकम के साथ ब्याज मिलता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना में फिलहाल 6.7% सालाना ब्याज मिल रहा है। निवेश की अवधि 3 साल से 10 साल तक रखी जा सकती है। यानी अभिभावक बच्चे की उम्र और भविष्य के लक्ष्य के हिसाब से अवधि चुन सकते हैं।

शब्द पहेली - 6374



बाएँ से दाए
1. असह्य, नगवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2, 2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6373 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	क	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	क	र	ब	■	फ	■	ना	ला	य	क
व	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	ज	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	व
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

सूडोकु नवताल - 6384

मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6383 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

सख्ती बेअसर, सड़कों पर जेनजी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) सहित विभिन्न संगठनों द्वारा बुलाए गए एसआईआर व सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन में आम लोगों सहित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की नेशनल प्रेसिडेंट नेहा बोरा, वकील प्रशांत भूषण, एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव और सीपीआई(एमएल) लिबरेशन के जनरल सेक्रेटरी दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हुए। दिल्ली पुलिस ने बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिया। राजधानी दिल्ली के अलावा चंडीगढ़, देहरादून जैसे देश के अन्य शहर-राज्यों में भी विरोध-प्रदर्शन किया गया।

सीईसी ज्ञानेश के खिलाफ राजधानी दिल्ली सहित देशभर में प्रदर्शन



'प्रदर्शनकारियों को 24 घंटे में रिहा करें, नहीं तो अनशन'



लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में हो रहे सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भारत को 'अघोषित आपातकाल' की स्थिति में बताया है और गिरफ्तार नेताओं को जल्द रिहा करने की मांग की है। वांगचुक ने साफ कहा है कि अगर इन नेताओं को रविवार तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करेंगे। वांगचुक के मुताबिक, उन्हें इस बात की खुशी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए कई नेता आगे आए हैं। लेकिन अब उन्हें पता चला है कि उन सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। वांगचुक ने इसी बात पर सवाल उठाए हैं।

शादी के खास लम्हे को यादगार बनाने श्री शिवम में 'वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन

बिलासपुर। 10 से 19 अक्टूबर तक श्री शिवम के सभी स्टोर्स में सजेगा शादी के फैशन का भव्य उत्सव, दूल्हा-दुल्हन से लेकर पूरे परिवार के लिए आकर्षक वेडिंग कलेक्शन

भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के रिश्तों, परंपराओं, खुशियों और अनगिनत यादगार पलों का उत्सव है। शादी की हर रस्म अपने साथ एक अलग रंग, अलग अंदाज और खास खूबसूरती लेकर आती है। इन्हीं खूबसूरत पलों को और भी यादगार बनाने के उद्देश्य से मध्य भारत के प्रतिष्ठित फैमिली फैशन स्टोर श्री शिवम द्वारा बहुप्रतीक्षित 'वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन 2026-27' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष आयोजन 10 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक श्री शिवम के सभी स्टोर्स में आयोजित होगा।



बिजनेस प्लस

दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, पूरे परिवार के लिए वेडिंग फैशन की खास दुनिया

शादी के अवसर पर केवल दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, बल्कि परिवार का हर सदस्य खास दिखना चाहता है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए श्री शिवम में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों के लिए वेडिंग एवं फेस्टिव फैशन की आकर्षक रेंज प्रस्तुत की जा रही है। दुल्हनों के लिए खूबसूरत ब्राइडल लहंगे, आकर्षक साड़ियां, डिजाइनर सूट और एथनिक कलेक्शन, वहीं दूल्हों के लिए रॉयल शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न, कुर्ता सेट एवं वेडिंग परिधानों के विभिन्न विकल्प इस आयोजन को विशेष बनाएंगे। इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी पारंपरिक एवं आधुनिक परिधानों के अनेक विकल्प उपलब्ध रहेंगे।

हर रस्म का अलग रंग, हर खुशी के लिए खास अंदाज

आज शादी का हर समारोह अपने आप में एक विशेष आयोजन बन चुका है। मेहंदी की रंगीन शाम हो, हल्दी की सुनहरी खुशियां, संगीत की मस्ती, विवाह की शाही भव्यता या रिसेप्शन की शानदार शाम, हर अवसर के लिए अलग परिधान और आकर्षक लुक की चाहत बढ़ रही है।श्री शिवम का यह वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन ग्राहकों को शादी की अलग-अलग रस्मों के लिए अपने पसंदीदा परिधान चुनने का अवसर प्रदान करेगा। पारंपरिक कढ़ाई, आकर्षक रंगों, खूबसूरत डिजाइन और आधुनिक फैशन से प्रेरित यह कलेक्शन शादी की तैयारियों को और भी खास बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

शादी की खरीदारी को यादगार अनुभव बनाने की तैयारी

विवाह की खरीदारी हर परिवार के लिए बेहद खास होती है। इसमें पसंद, परंपरा, बजट और पूरे परिवार की खुशियां जुड़ी होती हैं। श्री शिवम का प्रयास है कि ग्राहकों को एक ही स्थान पर परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए फैशन के बेहतरीन विकल्प मिल सकें। वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन 2026-27 के माध्यम से ग्राहकों को आगामी वेडिंग सीजन के नए फैशन ट्रेंड्स को देखने, अपनी पसंद के परिधान चुनने और शादी की तैयारियां समय रहते शुरू करने का अवसर मिलेगा।

मध्य भारत के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजन

श्री शिवम का यह विशेष वेडिंग प्रीव्यू आयोजन रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, नागपुर, भोपाल, जबलपुर और छिंदवाड़ा सहित सभी स्टोर्स में आयोजित किया जा रहा है।शादी के आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए श्री शिवम ने ग्राहकों को अपने परिवार के साथ इस विशेष आयोजन में शामिल होकर नए वेडिंग कलेक्शन का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया है। 10 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला यह वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन 2026-27 केवल फैशन का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय विवाह की समृद्ध परंपराओं, रिश्तों की खूबसूरती और आधुनिक स्टाइल का उत्सव होगा।

शाही परंपराओं और आधुनिक फैशन का अनूठा संगम

भारतीय शादियां अपनी भव्यता, खूबसूरत परिधानों, रंगों और समृद्ध परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में विशेष पहचान रखती हैं। बदलते समय के साथ वेडिंग फैशन में भी नए ट्रेंड्स, डिजाइन और स्टाइल देखने को मिल रहे हैं। इन्हीं बदलती पसंद और पारंपरिक खूबसूरती को ध्यान में रखते हुए श्री शिवम का वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन 2026-27 प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कलेक्शन में पारंपरिक भारतीय परिधानों की शाही भव्यता के साथ आधुनिक फैशन का आकर्षक तालमेल देखने को मिलेगा। शादी के मुख्य समारोह से लेकर सगाई, हल्दी, मेहंदी, संगीत, रिसेप्शन और अन्य पारिवारिक आयोजनों के लिए अलग-अलग अवसरों के अनुरूप परिधानों के विकल्प उपलब्ध रहेंगे।

इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दो अराजक गुट : नितिन



नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष और कॉकरोच जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- आज देश में बेहद खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही है। दो अराजक गुट देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। एक का नेतृत्व इंडिया ब्लॉक के राहुल गांधी और दूसरे का नेतृत्व अरविंद केजरीवाल के सहयोगी सीजेपी कर रही है। नितिन नवीन कहा- इंडिया ब्लॉक और सीजेपी में होड़ लगी है कि कौन ज्यादा अराजकता फैलाएगा। भारत की जनता उनके इरादों को अच्छी तरह समझती है। जनता उन्हें नकार चुकी है। नवीन ने चेतावनी दी कि केंद्र सरकार तनाव भड़काने की कोशिशों से सख्ती से निपटेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर ऐसे मंसूबों को नाकाम करेंगे।

IISER भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान बरहमपुर
INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE EDUCATION AND RESEARCH BERHAMPUR
Established by the Ministry of Education, Govt. of India

Advertisement for PhD Admission- Sem-II AY 2026-27

Indian Institute of Science Education and Research (IISER) Berhampur, established in 2016 by the Ministry of Education, GoI under the provisions of NITSER Act, 2007.

The Institute aims to identify suitable candidates with a keen interest in research. Online applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for admission to **Ph.D. programmes** for the semester commencing in January 2027.

Disciplines: Biological Sciences, Chemical Sciences, Computer Science, Earth and Environmental Sciences, Mathematical Sciences, and Physical Sciences.

For details, please visit: https://iiserbpr.ac.in/admissions-phd

Dean, Academic Affairs

Last Date for Receipt of Online Applications: 24 October 2026

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
विकास भवन नेहरू चौक के पास, बिलासपुर
फोन नं 07752-222642, फैक्स नं. 07752-413888
E-mail - commissionerbmcbilaspur@gmail.com, Website - www.bilaspurnagarnigam.com

क्रमांक 361/न.पा.नि./बाजार विभाग/2026-27 बिलासपुर, दिनांक 08/10/2026

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित व्यक्तियों से आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुये हैं। इस नामांतरण के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति/बैंक/एल.आई.सी./अन्य संस्थाओं को कोई आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन दिनांक से 30 दिनों के भीतर इस संबंध में आपत्ति लिखित रूप से सबूत के साथ नेहरू चौक स्थित विकास भवन नगर पालिक निगम बिलासपुर के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्रस्तुत की गई आपत्ति मान्य नहीं होगी। जिसे निगम की वेबसाईट - www.bilaspurnagarnigam.com से भी प्राप्त किया जा सकता है।

क्र.	जिनके नाम पर है नाम/पिता पति का नाम	जिनके नाम पर होना है नाम/पिता पति का नाम	दुकान क्रमांक एवं क्षेत्र	आधार
1	स्व. श्री गुरूबचन लाल माखीजा/ पिता स्व. श्री सरदार देशा सिंह माखीजा	श्री राजेश माखीजा/पिता स्व. श्री गुरूबचन लाल माखीजा पता - मकान नं. 117, पाटिलीपुत्र नगर, लोयला स्कूल के पास, लिंगियाडीह, बिलासपुर (छ.ग.)	गोल बाजार की दुकान क्र. 24	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
2	स्व. श्री रजनीकांत पाठक/पिता स्व. श्री वल्लभ दास पाठक	श्री भद्रेश पाठक/पिता श्री रजनीकांत पाठक पता-नारियल कोटी, दयालबंद, बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार नई लाईन की दुकान क्र. 03 एवं 04	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
3	श्री मनोहर लाल डोडवानी/पिता श्री खियलदास डोडवानी पता - ग्रीन पार्क कॉलोनी, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर (छ.ग.)	श्री अशोक कुमार डोडवानी/पिता श्री खियलदास डोडवानी पता - ग्रीन पार्क कॉलोनी, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार दर्जी लाईन की दुकान क्र.24	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
4	श्री मुकेश कुमार खाटुजा/पिता श्री नानक राम खाटुजा पता - ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर (छ.ग.)	श्री बलराम नागदेव/पिता श्री हरगुन दास नागदेव पता-मसानगंज सिंधी गली, बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार बिजली ऑफिस के पीछे की दुकान क्र. 16	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
5	श्री रतिपाल कश्यप/पिता श्री रामनारायण कश्यप पता-आजाद चौक, मंगला, बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती रजनी कश्यप पति श्री अरूण कश्यप पता - कुदुदण्ड, माता चौरा, बिलासपुर (छ.ग.)	अशोक प्रसुती लाईन की दुकान क्र. 05	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
6	श्रीमती रीचा छाबड़ा/पति स्व. श्री राकेश छाबड़ा पता - नारायण निवास पंजाबी बस्ती, दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती शेफाली अरोरा गुप्ता पति श्री संतोष कुमार गुप्ता एवं श्री संतोष कुमार गुप्ता/पिता स्व. श्री धर्मपाल गुप्ता पता - डी. 88 यदुनंदन नगर तिफरा बिलासपुर (छ.ग.)	गोल बाजार नई बड़ी दुकान क्र. 10	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
7	श्री अशोक कुमार डोडवानी/पिता श्री खियलदास डोडवानी पता - ग्रीन पार्क कॉलोनी, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर (छ.ग.)	श्री रोहन डोडवानी/पिता श्री मोहन लाल डोडवानी पता - ग्रीन पार्क कॉलोनी, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार बिजली ऑफिस के पीछे की दुकान क्र. 02	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
8	श्री प्रकाश कुमार सिदारा/पिता श्री रमेश चंद्र सिदारा पता - जुना बिलासपुर मनोहर टॉकिज के पास, बिलासपुर (छ.ग.)	श्री रवि सिदारा/स्व. श्री रामचंद्र सिदारा पता - जुना बिलासपुर मनोहर टॉकिज के पास, बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार सिंधी कॉलोनी वाल्मिकी चौक की दुकान क्र. 08	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
9	स्व. श्री मुन्नु लाल श्रीवास पिता स्व. श्री ठाकुरदीन श्रीवास	श्री सूर्यकांत श्रीवास, चंद्रकांत श्रीवास, अनुराधा श्रीवास, अन्नपूर्णा श्रीवास, श्रीकांत श्रीवास सभी के पिता स्व. श्री मुन्नु लाल श्रीवास पता-गोड़पारा, बिलासपुर (छ.ग.)	गोलबाजार हलवाई लाईन के पीछे की दुकान क्र. 07	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
10	श्री संदीप गुप्ता/पिता स्व. श्री कांशीनाथ गुप्ता पता-अभिषेक नगर फेस 01, मंगला, बिलासपुर (छ.ग.)	श्री कपिल छाबड़ा/पिता श्री सुनील छाबड़ा पता- मित्र विहार कॉलोनी, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.)	अरपा काम्प्लेक्स ब्लाक बी की दुकान क्र. 08	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,
11	श्रीमती रामवती वर्मा पति श्री रामावतार वर्मा पता - रेलवे फाटक के पास, उप स्वास्थ्य मेडियारास केन्द्र अनुपपुर (म.प्र.)	श्रीमती सकीना बाई रंडीमेडवाला पति श्री हुसैन अली एवं श्रीमती अलीफिया/पति श्री अजीज जोहर पता - मोहम्मदी कॉलोनी, रोटरी मार्ग, खपरगंज बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव एलाजा की दुकान क्र. एफ.एफ./03	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र,

पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलिथीन का उपयोग न करें | प्रभारी अधिकारी, बाजार विभाग, नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

'पुलिस जहां रोके, वहीं जंतर-मंतर बना लीजिए'



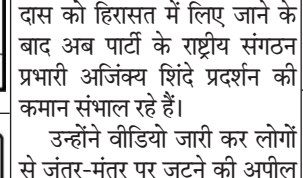
नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके, सह संयोजक आशुतोष रांका और सौरभ दास को हिरासत में लिए जाने के बाद अब पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे प्रदर्शन की कमान संभाल रहे हैं।

उन्होंने वीडियो जारी कर लोगों से जंतर-मंतर पर जुटने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि अगर पुलिस किसी को रोकने की कोशिश करे तो वह जहां हैं, वहीं अपना जंतर-मंतर बना लें। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक ये लड़ाई जारी रहेगी। इस देश के लोग क्या मांग रहे थे? जिस ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी की उसका इस्तीफा ही तो मांग रहे थे। इसी वजह से पूरी दिल्ली बंद कर दी।

आधी लड़ाई हम जीत चुके

शिंदे ने कहा, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका, सौरभ दास को डिटेन कर लिया गया है। पिछली बार जब देश एकजुट हुआ था, तब मोदी-शाह की जोड़ी का अहंकार हमने चकनाचूर किया था। इसी वजह से लोग जंतर-मंतर ना पहुंचे, इसके लिए इतनी पाबंदी लगाई गई, लोगों को हिरासत में लिया। मोदी-शाह का ये डर दिखाता है कि आधी लड़ाई तो हम जीत चुके हैं। और एक नई लड़ाई की शुरुआत है।

दीपके की मां - 'बेटे को कुछ हुआ तो सरकार जिम्मेदार'



कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दीपके को इस बात का अंदाजा पहले से था, संभवता इसीलिए उन्होंने अपनी मां से कहा था- 'आज टेलिविजन और मोबाइल से दूर रहना।' लेकिन इसके बावजूद परिवार ने टीवी और सोशल मीडिया पर अभिजीत दीपके की हिरासत की खबरें देखीं-सुनी। दीपके की मां अनीता ने कहा- जिस तरह से पुलिस ने एयर इंडिया के विमान पर हमला किया, जिसमें अभिजीत और अन्य सीजेपी नेता मुंबई से आए थे। इस तरह विमान में किसी को गिरफ्तार करना गलत है। मेरे बच्चे ने क्या अपराध किया है?' - 'अगर उसे कुछ हुआ तो हम सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे।' अभिजीत के पिता ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- 'बलात्कारियों और आतंकवादियों को नहीं पकड़ा जाता है। लेकिन एक सामान्य व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार कर लेते हैं।'

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN:U40108CT2003SGC015821
No.15-06/S&P/EE-V/S&SC/P/T-180/26/E-512446 Marwa, dtd.08-10-26

NOTICE INVITING E-TENDER NO. TN. -145/2026

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced firms for work as mentioned below for ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa:-

S. No.	Tender Specification No.	RFx No. (E-Tender No.)	Particulars	Last Date/ Time of submission of bid	Tender Fee	EMD
01.	15-06/S&P/EE-V/S&SC/P T-180/26	8100054239	Supply of Self Contained Breathing Apparatus Set (SCBA) of Cylinder Capacity 6.8 Ltr./ 300 Bar for Fire Division at 2x500 MW, ABVTPS, Marwa.	05.11.2026 15:30 Hrs.	Rs.590/- (Rs.500+ GST@ 18%)	Rs. 6,100/-

The bidder shall deposit the requisite Tender Fee & EMD amount online through our e-bidding portal before due date and time. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/Ebidding/Ebidding web portal. Any Extension/ Corrigendum / amendments, if required, shall be displayed on above websites only.

Superintending Engineer (Contract)
O/o The Addl. Chief Engineer (S&P)
ABVTPS, CSPGCL, Janjgir- Champa

// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION //

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) उत्तर बस्तर संभाग क्र.01 जगदलपुर

एन.आई.टी. क्रमांक 01/ स्टॉक /2026-27 जगदलपुर, दिनांक 08/10/2026
(निविदा क्र. 201275)
www.https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

महामहिम, राष्ट्रपति, भारत सरकार का आगमन जिला बस्तर में दिनांक 23.10.2026 को निहित है। व्ही.आई.पी. आगमन पर एवं शासकीय कार्यक्रम के आयोजन हेतु होने वाले समारोह हेतु अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर के द्वारा अनुमोदित दर सूची दिनांक 30.03.2026 में प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है, इच्छुक योग्य टेण्ट हाउस प्रतिष्ठान निम्न विवरण अनुसार आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगें।

Name of work:- HONOURABLE PRESIDENT PROGRAMME (BASTAR DUSHHERA- 2026)
Pro. Venue- Laal Bag Maidan, Jagdalpur, C.G.
Pro. Date -23/10/2026
1. PAC - Rs. 349.38 Lakh
2. EMD - Rs. 175000/- (Favour of E.E. P.W.D. (B/R) North Bastar Div. no. 1 Jagdalpur)
3. Security Deposit - Rs. 10.00 Lakh
1. आनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 12.10.2026 सांय 5:30 बजे तक
2. आनलाईन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि - 14.10.2026 सांय 4:30 बजे तक
3. आनलाईन खोलने की तिथि - 14.10.2026 सायं 5:00 बजे

अभिलेख एवं अमानत राशि ऑन-लाईन एवं स्पीड पोस्ट के माध्यम से दो अलग-अलग लिफाफे में प्रथम लिफाफे में फर्म का गुमास्ता पंजीयन, आयकर चुकता प्रमाण पत्र, भावपत्र दाता का विगत 3 वर्षों का आयकर रिटर्न (फार्म 16), जी.एस.टी. की पंजीयन प्रमाण पत्र एवं विगत 03 माह के जी.एस.टी. रिटर्न तथा पेनकार्ड स्व. प्रमाणित छायाप्रति शासकीय कार्य का अनुभव प्रमाण-पत्र, निविदा में संलग्न प्रपत्र एवं द्वितीय लिफाफे में अमानत राशि (एफ.डी.आर.) निर्धारित समयावधि में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
उत्तर बस्तर संभाग क्र.-1 जगदलपुर

G-252703886/1

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड

क्र. कार्यको /विज्ञा./क्रय/2831 कटघोरा, दिनांक 09.10.2026

बिजली बन्द की सूचना

संचा. / संधा. संभाग, छ.स्टे. पॉ.डिस्ट्री. कं. लिमि, कटघोरा के सर्व संबंधित सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि, 33/11 केव्ही फीडरों एवं उपकेन्द्रों में दिवाली पूर्व आवश्यक मेंटेनेंस एवं रखरखाव कार्य किये जाने के कारण निम्नलिखित फीडर एवं उपकेन्द्र में उसके समक्ष दर्शाये तिथि को प्रात: 09.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक सम्बंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

क्रं.	फीडर का नाम	दिनांक/दिन	प्रभावित क्षेत्र
1	11 केव्ही. छुरी	10.10.2026 /शनिवार	छुरी उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. छुरी फीडर के अंतर्गत समस्त वार्ड - छुरी क्षेत्र।
2	11 केव्ही. जंगल फीडर	17.10.2026 /शनिवार	दर्री उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही.जंगल फीडर फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम- जामबहार, सोनपुरी, परसाखोला, सोनगुढा, चुईया, भटगांव, नवाडीह, तेलईडाड।
3	11 केव्ही तानाखार	12.10.2026 /सोमवार	कटघोरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. तानाखार फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम - आमाखोखरा, तानाखार, घरीपखना, बांझीबन इत्यादि ।
4	33/11 केव्ही. छुरीकला	23.10.2026 /शुक्रवार	33/11 केव्ही. छुरीकला सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
5	11 केव्ही. कटघोरा शहर 3	29.10.2026 /गुरुवार	कटघोरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, कटघोरा शहर 3 फीडर के अंतर्गत समस्त वार्ड 12,13,14,15, कापुबहरा ।
6	33 केव्ही. 11 नं. कटघोरा शहर	13.10.2026 /मंगलवार	33/11 केव्ही. कटघोरा सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
7	11 केव्ही. छुरी (ग्रामीण)	22.10.2026 /गुरुवार	कटघोरा उपकेन्द्र से निर्गत् 11 केव्ही. छुरी (ग्रा.) फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम- जेंजरा, हुकरी, धवाईपुर, डुडगा इत्यादि।
8	11 केव्ही. अजगरबहार फीडर	13.10.2026 /मंगलवार	अजगरबहार उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, अजगरबहार फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम अजगरबहार हरदीमाडा सराईसिंगार।
9	11 केव्ही. तुमान फीडर	15.10.2026 /गुरुवार	बिंझरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. तुमान फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम- तुमान, अमझर पंचधार अमलडीहा, कुटेशननगोई इत्यादि ।
10	33/11 केव्ही. अजगर बहार सबस्टेशन	22.10.2026 /गुरुवार	33/11 केव्ही. अजगरबहार सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर
11	11 केव्ही. सलोरा फीडर	30.10.2026 /शुकवार	छुरी उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, सलोरा फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम-सलोरा बिसनपुर दर्राभाठा गांगपुर झोरा सिरकीकला।
12	11 केव्ही. कटघोरा शहर 4	27.10.2026 /मंगलवार	कटघोरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, कटघोरा शहर 3 फीडर के अंतर्गत समस्त वार्ड- 04,06,09,10,11,
13	11 केव्ही. बिंझरा फीडर	13.10.2026 /मंगलवार	बिंझरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. बिंझरा फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम- बिंझरा, लोदीबहरा मल्दा, करी सगुना।
14	33 केव्ही. बिंझरा फीडर	22.10.2026 /गुरुवार	33/11 केव्ही. बिंझरा सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
15	11 केव्ही. धनगांव	10.10.2026 /शनिवार	अजगरबहार उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, धनगांव फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम-धनगांव डोगाघाट कोडियाघाट विश्रामपुर नवाटिकरा पोडीखोहा
16	11 केव्ही. सिंघिया फीडर	17.10.2026 / शनिवार	बिंझरा उपकेन्द्र में सभी 11 केव्ही. फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम-सिंघिया, नगोईबछेरा, डोंगरतराई, नानबाका, बड़ेबांका इत्यादि ।
17	33/11 केव्ही. बिंझरा सबस्टेशन	27.10.2026 /मंगलवार	33/11 केव्ही. बिंझरा सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
18	11 केव्ही. मोहनपुर फीडर	19.10.2026 /सोमवार	कसनिया उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. मोहनपुर फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम-लखनपुर, सुतर्रा, मोहनपुर इत्यादि ।
19	11 केव्ही. कटघोरा शहर 1 फीडर	24.10.2026 /शनिवार	कटघोरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. कटघोरा शहर 1 फीडर के अंतर्गत समस्त वार्ड।
20	11 केव्ही. दोंदरो फीडर	15.10.2026 /गुरुवार	बालको उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, दोंदरो फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम-दोंदरो बेला बेलाकछार संगमनगर गहनिया रोगबहरी।
21	33/11 केव्ही. कटघोरा सबस्टेशन	24.10.2026 /शनिवार	33/11 केव्ही. कटघोरा सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
22	11 केव्ही बिंझपुर	27.10.2026 /मंगलवार	छुरी उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, बिंझपुर फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम- बिंझपुर, जटांगपुर, छुरीखुर्द क्षेत्र।
23	11 केव्ही. सतरेंगा फीडर	12.10.2026 /सोमवार	अजगरबहार उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, सतरेंगा फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम- माखुरपानी गडकटरा सतरेंगा गढउपरोडा देवपहरी लेमरू।
24	33 केव्ही. छुरी फीडर	10.10.2026 /शनिवार	33/11 केव्ही. छुरीकला एवं ढेलवाडीह सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
25	11 केव्ही कटघोरा शहर 2	25.10.2026 /रविवार	कटघोरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, कटघोरा शहर 2 फीडर के अंतर्गत समस्त वार्ड-कारखाना क्षेत्र।
26	11 केव्ही ढेलवाडीह	10.10.2026 /शनिवार	ढेलवाडीह उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. ढेलवाडीह फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम-ढेलवाडीह, ढपढप, सिंघाली कसरेंगा घनाकछार।
27	33 केव्ही. 9 नं. कटघोरा शहर	15.10.2026 /गुरुवार	33/11 केव्ही, कटघोरा सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
28	11 केव्ही बलगी फीडर	24.10.2026 /शनिवार	एच.टी.पी.एस.उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही, बलगी फीडर के अंतर्गत समस्त ग्राम-नवागाव झाबु लोतलोता सालिहाभाठा धनरास पंडरीपानी डिडोलभाठा छिरहुट
29	33 केव्ही. दर्री ग्रामीण फीडर	16.10.2025 /गुरुवार	33/11 केव्ही. अजगरबहार सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर
30	11 केव्ही मुढाली फीडर	14.10.2026 /बुधवार	ढेलवाडीह उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. मुढाली फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम जवाली, कसाईपाली, देवरी, विजयपुर, इत्यादि।
31	33/11 केव्ही. ढेलवाडीह सबस्टेशन	29.10.2026 /गुरुवार	33/11 केव्ही. ढेलवाडीह सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही. फीडर।
32	11 केव्ही. अरदा फीडर	14.10.2026 /बुधवार	बांकीमोंगरा उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. अरदा फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम अरदा, सुक्लाखार, तेलसरा, बिरकोना इत्यादि ।
33	11 केव्ही. लखनपुर फीडर	16.10.2026 /शुक्रवार	कसनिया उपकेन्द्र से निर्गत 11 केव्ही. लखनपुर फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम लखनपुर, बरभांठा, खुटरापारा इत्यादि।

नोट:- आवश्यकतानुसार समय-सीमा में परिवर्तन किया जा सकता है। सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.रा.वि.वि.कं.मर्या.कटघोरा

सं.-49381

UCO BANK (A Govt. of India Undertaking) Honours Your Trust

अंचल कार्यालय, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल : Email: zoraipur.rec@uco.bank.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्

प्रथम पृष्ठ का शेष

नवरात्रि के बाद...

जुड़ी है। वे नगर और आसपास के विभिन्न मंदिरों में नवरात्रि के अवसर पर सेवा कार्य किया करते थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि नवरात्रि संपन्न होने और ज्योति कलशों के विसर्जन के बाद कई कलश इधर-उधर बिखरे पड़े रहते हैं। जिन कलशों में नौ दिनों तक श्रद्धालु माता की आराधना करते हैं, ज्योति प्रज्वलित करते हैं और अपनी मनोकामनाएँ अर्पित करते हैं, उन्हें इस तरह बिखरा देखकर उनके मन में उन्हें एक स्थान पर सहेजने का विचार आया। इसी विचार ने आगे चलकर मंदिर निर्माण का रूप लिया। नरेंद्र बाबा ने विभिन्न मंदिरों में जाकर उनके संस्थापकों और सेवकों से संपर्क किया तथा नवरात्रि के बाद उपलब्ध होने वाले ज्योति कलशों को एकत्रित करना शुरू किया। धीरे-धीरे कलशों का संग्रह बढ़ता गया और उन्हें एक विशिष्ट धार्मिक संरचना के रूप में विकसित करने की योजना तैयार हुई। **वर्ष 2010 में रखी गई कलश मंदिर की नींव**- नरेंद्र बाबा के संकल्प और निरंतर प्रयासों से वर्ष 2010 में कलश मंदिर की स्थापना की गई। एकत्रित कलशों को एक-दूसरे के ऊपर व्यवस्थित कर मंदिर को विशिष्ट स्वरूप देने का प्रयास किया गया। इस प्रकार नवरात्रि की धार्मिक परंपरा से जुड़े कलशों को एक नई पहचान मिली। मंदिर की स्थापना के पीछे उद्देश्य केवल एक धार्मिक संरचना तैयार करना नहीं था, बल्कि श्रद्धा के प्रतीकों को सहेजना और उन्हें स्थायी रूप देना भी था। शुरुआत में इस पहल को व्यापक सहयोग नहीं मिला, फिर भी नरेंद्र बाबा अपने साथियों के साथ मंदिर की सेवा और विकास में जुटे रहे। एक-एक कलश को जोड़कर मंदिर का स्वरूप विकसित करने की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से सीमित संसाधनों में भी एक विशिष्ट धार्मिक स्थल का निर्माण किया जा सकता है। **स्वप्न में मिले संकेत और मूर्ति स्थापना की मान्यता**- कलश मंदिर से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं में देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की स्थापना का प्रसंग भी महत्वपूर्ण है। मंदिर से जुड़े विवरण के अनुसार, संस्थापक नरेंद्र बाबा को स्वप्न में एक मूर्ति के संबंध में संकेत प्राप्त हुआ। बताया जाता है कि बेमेतरा जिले के रानो-जानो गाँव में जमीन के भीतर एक मूर्ति मिली थी, जिसे ग्रामीणों की सहमति से मंदिर में स्थापित किया गया। इसके बाद धार्मिक आस्था और स्वप्नों से जुड़ी मान्यताओं के आधार पर मंदिर में अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की स्थापना का क्रम आगे बढ़ा। आज मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान गणेश, शनिदेव, संतोषी माता, दुर्गा माता, सरस्वती माता, ऋषि भगवान, भगवान कृष्ण, माँ काली और भगवान हनुमान जी सहित विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ स्थापित हैं। इनमें भगवान हनुमान जी मंदिर के प्रमुख आराध्य के रूप में विशेष महत्व रखते हैं।

नवरात्रि में उमड़ती...

में प्रज्वलित ज्योतियाँ श्रद्धालुओं के लिए आस्था, आशा और मनोकामना का प्रतीक हैं। कलश मंदिर का विकास निरंतर प्रयासों और धार्मिक समर्पण से जुड़ा रहा है। नरेंद्र बाबा और उनके साथियों ने शुरुआती चुनौतियों के बावजूद मंदिर की सेवा जारी रखी। समय के साथ मंदिर का स्वरूप विकसित हुआ और श्रद्धालुओं का जुड़ाव बढ़ा।

मां महामाया मंदिर...

मंदिर के व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने बताया कि इस बार 31 हजार के करीब ज्योतिकलश प्रज्जवलित होंगे। इनमें 25500 तेल के ज्योति एवं 4 हजार घृत ज्योति कलश के अलावा 1500 आजीवन ज्योति कलश के शामिल हैं। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक बुकिंग के लिए अलग-अलग जगहों में काउंटर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आनलाइन बुकिंग भी की जा रही है। इसे लेकर भक्तों में उत्सह है। प्रतिदिन बुकिंग के लिए अलग-अलग देशों से भी भक्त संपर्क कर रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक नवरात्र को लेकर महामाया मंदिर में रंग-रोगन से लेकर साफ-सफाई का काम पूरा कर लिया गया है।

हरिभूमि-आईएनएच की...

के नेतृत्व में राज्य सरकार गंभीर एवं दुर्लभ बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद परिवारों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना ऐसे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण संबल बन रही है, जिनके लिए गंभीर बीमारी के उपचार का खर्च स्वयं वहन करना कठिन होता है। इस योजना के माध्यम से पात्र जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक अभाव किसी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने और गंभीर बीमारी की स्थिति में परिवार को अकेले आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। रिमोन के उपचार के लिए तत्काल 12 लाख रुपए की स्वीकृति इसी संवेदनशील सोच का उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से जहां एक किसान परिवार को बड़ी आर्थिक चिंता से राहत मिली है, वहीं 10 वर्षीय रिमोन के स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौटने की उम्मीद भी मजबूत हुई है।

रिमोन को गोद...

जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल 12 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने रिमोन के माता-पिता को ढांढस बंधाते हुए कहा कि यह केवल आपका नहीं, हमारा भी बेटा है। इसके स्वास्थ्य की चिंता करना हमारी भी जिम्मेदारी है। रिमोन के उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। रिमोन के इलाज की पूरी जिम्मेदारी अब हमारी सरकार की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आवश्यकता के समय बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और सरकार का संबल मिले, यह राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है।

नन्हे रिमोन ने...

उसका गीत सुना और उसका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने रिमोन को खूब पढ़ने, आगे बढ़ने और स्वस्थ होकर अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने रिमोन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि बच्चे की मुस्कान और उसका स्वस्थ भविष्य ही परिवार के साथ सरकार के लिए भी सबसे बड़ी खुशी होगी।

425 रुपए क्विंटल...

लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पूर्व में गन्ने की खरीदी 329 रुपए प्रति क्विंटल पर होती थी। इसे अब 96 रुपए बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय से भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनीष शर्मा, महामंत्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे। **किसानों की उपज का उचित मूल्य दिलाने का प्रयास**- मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने। **पेराई सत्र 2025- 26 में खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर**- भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया। **पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा।**

दिल्ली में नहीं...

'फॉर्म-6' से जुड़ी गड़बड़ियों के विरोध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर शनिवार को दिल्ली में जुटे प्रदर्शनकारियों की योजना तो जंतर-मंतर पर एकत्र होने की थी, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका। खाकी और नीले-हरे रंग की वर्दी में बड़ी संख्या में तैनात सुरक्षाकर्मियों, अवरोधकों और सड़कों पर बसों पर खड़ी आड़ी-तिरछी बसों ने शनिवार को विरोध-प्रदर्शन के प्रमुख केंद्र 'जंतर-मंतर' को एक किले में तब्दील कर दिया। इस वजह से प्रदर्शनकारी पूरी दिल्ली में बिखर गए और हिरासत में लिए जाने से पहले छोटे-छोटे समूहों में नारेबाजी करते, रास्ते बदलते तथा दोबारा एकत्र होने का प्रयास करते दिखे। कम से कम 7,000 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका था। नयी दिल्ली में बीते सप्ताह हुए विरोध-प्रदर्शनों की कड़ी में यह प्रदर्शन भी शामिल है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी पिछले दिनों विरोध प्रदर्शन किया था। वहीं, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का एक नया विरोध-प्रदर्शन सोमवार को प्रस्तावित है। इससे पहले जुलाई में आयोजित कॉजपा के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने शनिवार को मध्य दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी थी। जिसके तहत मेट्रो सेवाएं बंद कर दी गईं, दिल्ली में आने-जाने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई और मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहीं। कनॉट प्लेस और गुरुद्वारा बंगला साहिब से लेकर दिल्ली हाट, गोल मार्केट, आईएनए मार्केट और मिंटो ब्रिज तक प्रदर्शनकारी एक जगह से दूसरी जगह जाते दिखे। वे एकत्र होने के लिए जगहों की तलाश कर रहे थे और उन लोगों से मिलने की कोशिश कर रहे थे जो जंतर-मंतर के लिए निकले थे। कई जगहों पर पुलिसकर्मियों के पहुंचने और प्रदर्शनकारियों को खदेड़कर हिरासत में लेने से पहले नारेबाजी हुई। हालांकि, जुलाई के प्रदर्शनों के विपरीत पुलिस ने बल प्रयोग नहीं किया और किसी प्रकार की हिंसा की खबर नहीं मिली। जुलाई के प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों के लिए इस बार स्थितियां बिल्कुल अलग थीं। तब वे मार्च करने से पहले जंतर-मंतर पर एकत्र हुए थे, लेकिन इस बार तो एकत्र होने की जगह तय करना ही एक बड़ी चुनौती बन गया था। जुलाई के प्रदर्शन में शामिल रहे एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि प्रतिभागी यह समझने के लिए संघर्ष कर रहे थे कि कहां एकत्र होना है, क्योंकि अधिकतर जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट और संदेशों के जरिए ही मिल पा रही थी। प्रदर्शनकारी ने कहा, /"पिछली बार हम जंतर-मंतर पर एकत्र हुए थे और फिर हमने मार्च किया था। इस बार इस बात को लेकर काफी असमंजस है कि कब और कहां आना है। हमें केवल ट्वीट और पोस्ट के जरिए ही जानकारी मिल रही है। हम यह कैसे तय करें कि कब आना है और कहां जाना है? अगर हममें से कुछ लोग एकत्र हो भी जाते हैं तो हमें तुरंत हिरासत में लिया जा सकता है। लेकिन हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। हम अपने लोकतंत्र के लिए लड़ेंगे।/" दोपहर तक जंतर-मंतर पर होने वाला प्रदर्शन पूरी दिल्ली में छोटे-छोटे प्रदर्शनों के रूप में बिखर गया। बार-बार हटाए जाने और हिरासत में लिए जाने के बावजूद सड़कों और चौराहों पर प्रदर्शनकारी एक-दूसरे को ढूंढते, नारे लगाते और प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करते नजर आए। प्रदर्शन सुबह 10:30 बजे शुरू होना था, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने प्रतिभागियों को जंतर-मंतर पहुंचने से रोक दिया, जहां निषेधाज्ञा (बीएनएस की धारा 163) लागू थी। कुछ प्रदर्शनकारियों को आयोजन स्थल के पास ही हिरासत में ले लिया गया, जबकि अन्य लोग किसी अन्य स्थान पर प्रदर्शन जारी रखने के इरादे से आसपास के इलाकों में बिखर गए। कनॉट प्लेस का आउटर सर्किल, हनुमान मंदिर के पास का इलाका, संसद मार्ग, रायसीना रोड, इम्तियाज खान रोड, एच के एस सुरजीत भवन, सफदरजंग हवाईअड्डा फ्लाईओवर के आसपास का हिस्सा और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन के आसपास के इलाके वे स्थान थे जहां प्रदर्शनकारी एकत्र हुए या जुटने का प्रयास किया। कई लोगों को कनॉट प्लेस में रीगल सिनेमा के पास हिरासत में लिया गया, जबकि अन्य को दोबारा एकत्र होने की कोशिश करते समय खदेड़ दिया गया। सुबह यही क्रम चलता रहा, प्रदर्शनकारी नए स्थान पर एकत्र होते, नारेबाजी करते और अन्य लोगों को जोड़ने का प्रयास करते, लेकिन अंततः उन्हें खदेड़ दिया जाता या हिरासत में ले लिया जाता।

चुनाव जीतने पर...

सत्तारूढ़ भाजपा हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हारी और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत भी हासिल नहीं कर सकी। पत्र में कहा गया, चुनाव जीतने वालों ने कोई शिकायत नहीं की। ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो चुनाव प्रणाली ईमानदार हो और जब हार जाएं तो उसी प्रणाली में धांधली होने का आरोप लगाएं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों में भारत सरकार के पूर्व सचिव, पूर्व राजदूत, पूर्व पुलिस महानिदेशक, राज्यों के पूर्व मुख्य सचिव और आयकर विभाग के पूर्व महानिदेशक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में होने वाली गलतियों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन इस प्रक्रिया की वैधता पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि एसआईआर मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया है तथा इस दौरान कुछ लोगों को असुविधा हो सकती है, लेकिन देश में लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में उठाए जाने वाले हर बड़े कदम के साथ ऐसा होता है।

प्रोत्साहन राशि के...

के ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को पूरा नहीं करने, समस्त आनलाइन कार्य संतोषजनक होने तथा अधिकतर कर्मचारी ड्यूटी से गायब व अनुपस्थित रहने की बातें सामने आई हैं। इसके बाद भी उन्हें हर महीने प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है, जिसका आंकड़ा हर महीने करोड़ों में है। विभाग ने इसे घोटाले की श्रेणी में रखते हुए दिए जाने वाले इंटेसिव भुगतान की अनियमितता संबंध नियमानुसार जांच, लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए जांच प्रतिवेदन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य कार्यालय में अनिवार्य रूप से भेजने का आदेश सभी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिया है।

फांसी की सजा...

रायपुर केन्द्रीय जेल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में 24 घंटे की निगरानी में रखा जाएगा। ज्ञात हो कि फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने 8 अक्टूबर को प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी महू फैज और बच्ची आलिया शेख की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपियों कुलदीप साहू, चन्द्रकांत उर्फ सीके और फूल सिंह उर्फ रिंकू को फांसी की सजा सुनाई है। सजा मिलने के बाद से ही तीनों कैदियों को केन्द्रीय जेल रायपुर शिफ्ट करने की बात चल रही थी। फांसी की सजा मिलने वाले कैदियों को जिस निगरानी और सुरक्षा के बीच रखे जाने का प्रावधान है वो सरगुजा में संभव नहीं था। सरगुजा में केंद्रीय जेल प्रबंधन कैदियों को रायपुर शिफ्ट करने की तैयारी शुक्रवार को ही शुरू कर दी थी। इस बीच सूरजपुर जेल में बंद फूल सिंह उर्फ रिंकू सिंह और बैकुंठपुर जेल में बंद चंद्रकांत उर्फ सीके चौधरी को 9 अक्टूबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रायपुर केन्द्रीय जेल भेज दिया गया था जबकि कुलदीप साहू की प्रक्रिया चल रही थी। इस बीच सुबह 4 बजे कुलदीप को भी रायपुर शिफ्ट करने का आदेश आया। आदेश आने के बाद भोर में 5 बजे सशस्त्र बल की टीम केंद्रीय जेल पहुंची और प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के बाद कुलदीप साहू को कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 6 बजे रायपुर केंद्रीय जेल भेजा गया। दोपहर 12 बजे तक फांसी के कैदी कुलदीप साहू को शिफ्ट कर दिया गया। **अलग बैरक में रहेगा कुलदीप** -फांसी की सजा पाने वाले कैदियों के लिए जेल मैनुअल में अलग प्रावधान होते हैं। आरोपियों को अलग-अलग छोटे बैरकों में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा जाता है। सामान्य तौर पर ये बैरक 5 फुट बाई 6 फुट के होते हैं। आरोपियों की कड़ी निगरानी की जाती है, ताकि वे स्वयं का नुकसान न करे लें। आरोपियों को सामान्य मुलाकात की अनुमति नहीं होती है। वे जेल अधीक्षक कक्ष में आगंतुकों से मुलाकात कर सकते हैं। ऐसे आरोपियों के लिए अलग से भोजन बनाया जाता है, जिसे चार स्तर पर जांच के बाद आरोपियों को खाने के लिए दिया जाता है। मृत्युदंड की सजा पाने वाले कैदी कुलदीप साहू, सीके चौधरी और फूल सिंह उर्फ रिंकू को भी इन्हीं बैरकों में अलग अलग रखा जाएगा और उनपर 24 घंटे कड़ी निगरानी होगी। **फांसी की सजा के बाद ये हैं कानूनी प्रावधान**-सूरजपुर फास्ट ट्रैक कोर्ट से फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद इसकी पुष्टि हाईकोर्ट बिलासपुर द्वारा की जाएगी। इसके लिए केस डायरी हाईकोर्ट बिलासपुर भेज दी गई है। हाईकोर्ट द्वारा फांसी की सजा पर मुहर लगाए जाने के बाद दोषी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल पीटिशन लीव पर सुनवाई होगी। **कर दिया गया है शिफ्ट** -फांसी की सजा पाने के बाद कैदी कुलदीप साहू को रायपुर केंद्रीय जेल शिफ्ट कर दिया गया है क्योंकि फांसी घर रायपुर जेल में ही मौजूद है। चंद्रकांत चौधरी और फूल सिंह उर्फ रिंकू को शुक्रवार को ही रायपुर शिफ्ट कर दिया गया था। कुलदीप को सशस्त्र बल के साथ भेजा गया और दोपहर में उसे रायपुर जेल दाखिल कराया गया।

-**अक्षय सिंह राजपूत,** अधीक्षक केन्द्रीय जेल

स्टेशन चमकाने रेलवे...

चार करोड़ रुपए का टेंडर जारी कार्य किया गया था। वहीं आरपीएफ ने भी स्वागत और समारोह के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। खास बात यह है कि पिछले पांच वर्षों में रेलमंत्री के रायपुर रेलवे स्टेशन आने का कार्यक्रम कई बार बना, लेकिन हर बार दौरा रद्द या स्थगित हो गया। उपलब्ध जानकारी अनुसार, 2022 से अक्टूबर 2026 तक तीन मौकों पर उनके रायपुर आने का कार्यक्रम रद्द हुआ। इस बार भी तैयारियों के बीच दौरा निरस्त हो गया। यदि रेलमंत्री समारोह में शामिल होते तो बतौर रेलमंत्री रायपुर रेलवे स्टेशन का उनका पहला दौरा होता। **जरूरत और तय कार्यक्षेत्र के अनुसार हुआ काम**- रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन पर हर साल मरम्मत और रखरखाव का काम कराया जाता है। इस बार भी जरूरत और तय कार्यक्षेत्र के अनुसार ही काम किया गया है। इसे केवल रेलमंत्री के प्रस्तावित दौरे से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। रेलवे प्रशासन के अनुसार, स्टेशन के रखरखाव और यात्री सुविधाओं से जुड़े काम नियमित प्रक्रिया का हिस्सा हैं। **पांच साल में तीन बार बना रेलमंत्री का दौरा - 14 मई 2022: छत्तीसगढ़ दौरा निरस्त**- रेलमंत्री का अंबिकापुर, कोरबा और रायपुर आने का कार्यक्रम तय था। अंबिकापुर में नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और कोरबा में कोयला लदान से जुड़े कार्यों का निरीक्षण प्रस्तावित था। 12 मई को दौरा रद्द होने की जानकारी मिली। संबंधित रेलवे कार्यक्रमों में मंत्री के वर्चुअल रूप से शामिल होने की बात सामने आई थी। **27 नवंबर 2022: रायपुर पहुंचे, लेकिन स्टेशन का आधिकारिक दौरा नहीं**- 27 नवंबर 2022 को अश्विनी वैष्णव कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ रायपुर पहुंचे थे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस दौरान वे रायपुर रेलवे स्टेशन के आधिकारिक निरीक्षण या रेलवे से जुड़े किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे। इसलिए इस यात्रा को रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित दौरे के रूप में नहीं गिना जा सकता। **25 नवंबर 2024: नागपुर का कार्यक्रम तय होने के बाद रायपुर दौरा रद्द**- 22 नवंबर को जानकारी मिली थी कि रेलमंत्री 25 नवंबर को नागपुर से ट्रेन के जरिए रायपुर आएंगे। उनके रेलवे स्टेशन निरीक्षण और विकास कार्यों की समीक्षा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। हालांकि 24 और 25 नवंबर को सामने आए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, उन्हें नागपुर में रेलवे कर्मचारी संगठन के कार्यक्रम में शामिल होकर दिल्ली लौटना था। इसके चलते रायपुर आने का कार्यक्रम रद्द हो गया। **9 से 12 अक्टूबर 2026: तारीख बदली, फिर दौरा निरस्त**- आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए रेलमंत्री का रायपुर आगमन पहले 9 अक्टूबर को प्रस्तावित था। 8 अक्टूबर को सामने आई जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम की तारीख बदलकर 12 अक्टूबर कर दी गई। समारोह में आरपीएफ की परेड और अन्य आयोजन प्रस्तावित थे। इसके लिए रेलवे प्रशासन और आरपीएफ ने व्यापक तैयारियां की थीं, लेकिन 10 अक्टूबर को दौरा रद्द होने की जानकारी सामने आई।

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• सर्भा प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756


JHAIGO Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां काम करने के लिए मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, सेल्स मैन, डिलिवरी ब्वॉय एवं अनुभवी एकाउंटेंट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9981137187 **(42068)**

आवश्यकता है- बच्चों की देखभाल एवं घर के छोटे मोटे काम करने हेतु महिला/ लड़की केयर टेकर की आवश्यकता है। इच्छुक एवं जिम्मेदार महिला सम्पर्क करें- सना फरीदी, जूनी लाइन बिलासपुर 83190 80140 **(42075)**

आवश्यकता है- होटल में कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के की आवश्यकता है। वेतन 12000 से 25000 समय 8am to 8pm तक सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैण्ड टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 **(42069)**

आवश्यकता है- कपड़े शोरूम में सेल्समैन (वेतन 11000 से 13000), हेल्पर लड़के, लड़कियां चाहिये (वेतन 7000 से 10000) सम्पर्क करें- दोपहर 2-5, न्यूलुक कलेक्शन बृहस्पति बाजार चौक राजेन्द्र नगर रोड बिलासपुर 9238247005 **(42072)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर एवं सीसीटीवी कैमरा का काम करने हेतु दुकान में लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- Cyber Soft, गांधी चौक, बिलासपुर 9039246656 **(42062)**

आवश्यकता है- फीमेल रिसेप्शनिस्ट, टेलीकॉलर, कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी साफ्टवेयर जानकर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- कल्याण ज्वैलरी के सामने, अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177, अपना बायोडाटा भेजे **(42070)**

आवश्यकता है- होटल मे रूम की साफ सफाई हेतु 2 लड़के चाहिए ड्यूटी 12घंटे पेमेंट 8000, रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- सेकेण्ड लिफ्ट, थर्ड फ्लोर नारायण प्लाजा लिंक रोड बिलासपुर 9131778324 **(42071)**

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर लोडिंग गाड़ी (2पद) अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर (3पद) अनाज दुकान, सुपर बजार में कार्य हेतु लड़का लड़की एवं रेजा सूपा चलाने, झाड़ू पोंछा हेतु चाहिए सम्पर्क करें- 9827998640 76480 86615 **(42067)**

आवश्यकता है- फिजियोथेरेपिस्ट (अनुभवी/ फ्रेशर) सभी प्रकार की फिजियोथेरेपी में दक्ष एवं ओपीडी डॉक्टर हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- गोविन्द इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ केयर हॉस्पिटल, तोरवा, बिलासपुर 9039796897 **(42060)**

आवश्यकता है- सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर चाहिए जिसने होलसेल रेडीमेड दुकान, रिटेल रेडीमेड दुकान में काम किया हो। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- नवीन जींस, नयन फैशन पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर **(42047)**

आवश्यकता है- रियल स्टेट में मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़कों एवं आफिस में टेली कॉलिंग हेतु अनुभवी टेली कॉलर लड़की की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- डीएसएस काम्प्लेक्स, मुंगेली नाका बिलासपुर 7354135808 **(42058)**

आवश्यकता है- सीए आफिस में चपरासी (9am to 9pm) 10वीं पास, वेतन 5000 से 7000, एवं घरेलू कार्य हेतु लड़की चाहिए। सम्पर्क- सीए दिनेश अग्रवाल मेन रोड विद्या नगर बिलासपुर 9300501028, 9425428211 **(42063)**

आवश्यकता है- कृषि दुकान में सेल्स कार्य हेतु 2 कर्मचारियों की आवश्यकता है बिलासपुर किसान परिवार के कम्प्यूटर जानकार, मोटर साइकल वाले को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दोपहर 2 से शाम 7 बजे तक कृषि विजय शनिचरी बाजार बिलासपुर 9981145331 **(42061)**

आवश्यकता है- Evince pub Publishing, कोनी (बिलासपुर) में बुक पब्लिशिंग हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (लड़के/ लड़कियाँ) चाहिए। MS Word, Excel एवं Canva का ज्ञान आवश्यक। संपर्कः 6260711728, 91718 10321 **(42037)**

आवश्यकता है- संजय बैग हाउस एसी शोरूम में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल सेल्स ब्वॉय एवं कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 **(42050)**

आवश्यकता है- होटल में रोटी बनाने वाले, फ्राइपन मिस्त्री, वेटर, हेल्फर, कैप्टन, टेबल सफाई, काउंटर स्टाफ चाहिए वेतन योग्यता अनुसार रहने खाने की व्यवस्था सम्पर्क करें पाण्डेय स्वीट्स अशोक नगर बिलासपुर 99077 48408 **(42056)**

आवश्यकता है- एकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे टैली एकाउंट की जानकारी हो वेतन योग्यता अनुसार पता- मेसर्स अभिनव इंफ्राटेक, महामाया बीएड कॉलेज के सामने अर्चना विहार रोड नेहरू नगर बिलासपुर 7610588889, 7049288889 **(42052)**

आवश्यकता है- फुल टाइम एकाउंटेंट चाहिए जिसे Tally Prime में काम करना आता हो, Invoice, Eway Bill बनाना आता हो। सम्पर्क करें- अविनाश मोदी, पी-2, संजय अपार्टमेंट, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9179991222 **(42049)**

आवश्यकता है- बर्तन दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन योग्यतानुसार। (कॉल करें- सुबह 10 बजे से रात 9:30 बजे) सम्पर्क करें- M.B. मेटल, वाल्मीकि चौक, शनिचरी बाजार, बिलासपुर 7869606425, 91794 13441 **(42043)**

आवश्यकता है- मार्केटिंग कार्य के लिए शिक्षित युवक एवं दुकान कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विकास प्लाइवुड रघुराज स्टेडियम के पीछे इमलीपारा रोड बिलासपुर 8770774040 9827950292 **(42064)**

Requirment- Require Experience Two Medical Representative for Bilaspur H.Q. Contact- Vikas Medical Store Near Cims Bilaspur 9827913277 **(42045)**

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की तत्काल आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5 वर्ष, शिक्षाः न्यूनतम 10वीं पास, वेतनः 20,000 प्रति माह तक सुविधाएंः रहने की व्यवस्था हैं स्थानः सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क करेंः- 9109972720, 9109222000 **(090)**

आवश्यकता है- 100% परमानेंट जॉब भारत में सबसे अधिक स्थायी रोजगार देने वाली Righteous Limited को



चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना रयबाकिना, आर्यना सबालेंका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं।



मेदवेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत 1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेदवेदेव ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेदवेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेदवेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुबई, ब्रिस्बेन और हांगजो टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी या डालिबोर स्वर्सिना से होगा। मेदवेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवीं बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

तीसरा टी20 : होलकर स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज में कांटे की टक्कर

इंदौर में फिर बरसेगा रनों का तूफान! बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।

मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।



भारत के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय

भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बना हुआ है और वह इस मैच में इसका हल ढूंढने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइंडीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रिकार्ड लक्ष्य हासिल कर दिया।

अय्यर का फॉर्म में लौटना सकारात्मक

भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अय्यर का फॉर्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद 102 रन बनाए और दूसरे मैच में 18 गेंद पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह फिर से पक्की कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी रांची में दूसरे मैच के बाद कहा था कि मध्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शीर्ष क्रम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अय्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजनों के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा।

अर्शदीप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा, जिन्होंने दो मैचों में 79 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फॉर्म में वापस आने से वेस्टइंडीज की टीम खुश होगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज़ ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज हालांकि शमर स्प्रिंगर को बदलने पर विचार कर सकता है, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 64 रन देकर दो विकेट लिए। मैच का समयः शाम 7 बजे



टी20 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया

रावलपिंडी। साहिबजादा फरहान ने कप्तान पद संभालने का जश्न शानदार तरीके से मनाते हुए 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। पाकिस्तान के सामने 183 रन का लक्ष्य था और उसने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फरहान ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार पारी खेली। उन्हें माज़ सदाकत का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने महज 29 गेंदों में 50 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा के 91 रन की मदद से पाकिस्तान के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने 8 विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

टेस्ट क्रिकेट

9 साल का सूखा खत्म, रेनशॉ ने लगाया शानदार शतक



एजेंसी ▶▶| डरबन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने जबरदस्त शतक जड़ा और 9 साल का सूखा खत्म किया।

रेनशॉ के टेस्ट करियर का यह दूसरा शतक था। उन्होंने पहला शतक जनवरी 2017 में जड़ा था। इसके बाद उन्होंने 18 पारियों में शतक नहीं लगाया। रेनशॉ ने 204 गेंद पर एनरिक नॉर्खिया को चौका जड़कर शतक पूरा किया। रेनशॉ का शतक 2014 के बाद दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं और 2009 के बाद किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया का पहला शतक है। बाएं हाथ के बल्लेबाज की शतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया 250 के करीब पहुंचा। 124 रन पर उसका 6 विकेट गिर गया था। रेनशॉ को कप्तान पैट कमिंस से अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच 191 गेंद पर 86 रनों की साझेदारी हुई।

रणजी ट्रॉफी : आज से 92वें सीजन की शुरुआत, 38 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।



सीजन का पहला राउंड होगा जबरदस्त

2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव सुथार (राजस्थान), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

शमी की मैदान पर वापसी

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है।



न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चोट के कारण हुआ बाहर

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और करारा झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओरूर्के बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण इससे बाहर हो गए हैं। खेल के सभी प्रारुप में खेलने वाले इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गई थी।



22 अक्टूबर को टी20 मैच

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि ओरूर्के को भारत के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रखने का फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्श के बाद लिया गया। उनकी निगाहें अब दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करने पर टिकी हैं। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, पांच वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलने हैं।



PRATHMESH HOSPITAL





मुख्य अतिथि

माननीय श्री विष्णु देव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



अध्यक्षता

माननीय डॉ. रमन सिंह जी
विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

मा. श्री तोखन साहू जी
केंद्रीय राज्य मंत्री

मा. श्री अरुण साव जी
उपमुख्यमंत्री, छ.ग.

मा. श्री विजय शर्मा जी
उपमुख्यमंत्री, छ.ग.

मा. श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी
स्वास्थ्य मंत्री, छ.ग.

मा. श्री लखन लाल देवांगन जी
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, छ.ग.

मा. श्री ओ. पी. चौधरी जी
वित्त मंत्री, छ.ग.

मा. श्री रामविचार नेताम जी
कृषि मंत्री, छ.ग.

मा. श्री केदार कश्यप जी
वन मंत्री, छ.ग.

मा. श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े जी
महिला एवं बाल विकास मंत्री, छ.ग.

मा. श्री टंकराम वर्मा जी
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री, छ.ग.

मा. श्री गुरु खुशवंत साहेब जी
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा मंत्री, छ.ग.

मा. श्री रमेश बैस जी
पूर्व राज्यपाल

मा. श्री बृजमोहन अग्रवाल जी
सांसद, रायपुर

मा. श्री विजय बघेल जी
सांसद, दुर्ग

मा. श्री किरण देव जी
विधायक-जगदलपुर एवं
प्रदेश अध्यक्ष भाजपा (छ.ग.)

मा. श्री अजय चंद्राकर जी
विधायक, कुरूद

मा. श्री राजेश मूणत जी
विधायक, रायपुर पश्चिम

मा. श्री सुनील सोनी जी
विधायक, रायपुर दक्षिण

मा. श्री मोतीलाल साहू जी
विधायक, रायपुर ग्रामीण

मा. श्री पुरंदर मिश्रा जी
विधायक, रायपुर उत्तर

मा. श्रीमती संगीता सिन्हा जी
विधायक, संजारी बालोद

मा. श्री आशाराम नेताम जी
विधायक, कांकेर

मा. श्री संदीप साहू जी
विधायक, कसडोल

मा. श्री दीपेश साहू जी
विधायक, बेमेतरा

मा. श्रीमती मीनल चौबे जी
महापौर, रायपुर नगर निगम

मा. श्री राजीव अग्रवाल जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल
डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (CSIDC)

मा. श्री सत्यनारायण शर्मा जी
पूर्व विधायक

मा. श्री कुलदीप जुनेजा जी
पूर्व विधायक

मा. श्री सतीश थौरानी जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स

मा. श्री निरेंद्र साहू जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहू संघ

मा. श्री अमित साहू जी
प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

विश्वस्तरीय सुविधाएँ

- 125 बेड्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप
- 1 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में 1 लाख से अधिक वर्गफीट में निर्मित पूर्णतः वातानुकूलित हॉस्पिटल
- 20+ ब्रॉड एवं सुपर स्पेशियलिटी विभाग
- विश्वस्तरीय न्यूरोसाइंसेस सेंटर
- मध्य भारत की सबसे उन्नत कार्डियक यूनिट
- वूमेन एंड चाइल्ड केयर सेंटर
- 50+ बेड्स मॉड्यूलर आईसीयू
- 5 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
- अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी और न्यूरोरिहैबिलिटेशन सेंटर
- सर्वसुविधायुक्त रेडियोलॉजी एवं पैथोलॉजी

विश्वस्तरीय सुविधाएँ

न्यूरोसाइंसेस सेंटर | कार्डियक साइंसेस सेंटर | वूमेन एंड चाइल्ड केयर सेंटर | ट्रॉमा एवं इमरजेंसी सेंटर | फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर

अनुभवी चिकित्सकों की टीम

डॉ. सारिका साहू
MBBS, MD, FICOG, FMAS, CIMP
Obstetrician & Gynaecologist

डॉ. राजीव साहू
MBBS (Gold Medalist), MS
Mch (Neurosurgery)
Brain and Spine Neurosurgeon

डॉ. गौरव त्रिपाठी
MBBS (Honours), MD (Medicine)
DM (Cardiology), FSCAI
Cardiologist

डॉ. सुलभ चंद्राकर
MBBS, MD Medicine
DM (Cardiology)
Cardiologist

डॉ. अजीत शदानी
MBBS, MD (General Medicine)
General Medicine

डॉ. मोहित पटेल
MBBS, MS (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon

डॉ. पारुल दुबे
MBBS, DNB
Pediatrician

डॉ. परिणीता रायस्त
MBBS, DGO, FMAS, CIMP
Obstetrician & Gynaecologist

डॉ. नमन चंद्राकर
MBBS, MS (General Surgery)
Mch (Neurosurgery) (Gold Medalist)
Neurosurgeon

डॉ. संतोष साहू
MBBS (Gold Medalist), D. Ortho.
Orthopedician

डॉ. कृष्णानंद
MBBS, MS, Mch
Plastic & Cosmetic Surgeon

डॉ. नासिर अली
MBBS, MD
Anaesthesiologist

डॉ. सुरेश सिंह
MBBS, MS, Mch (Urology)
Urologist, Andrologist & Transplant Surgeon

डॉ. मनीषा
MBBS, MD Medicine, DM (Nephrology)
Nephrologist

डॉ. पीतांबर पटेल
MBBS, DNB, DrNB (Critical Care)
Intensivist

डॉ. दिनेश श्रेय
MBBS, MD
Ophthalmologist

डॉ. पी. चंद्राकर
MD
Clinical Oncologist

डॉ. रविश कुमार
MBBS, MD
Radiologist

डॉ. प्रियंवदा त्रिपाठी
MBBS (Honours), MD
Pathologist

डॉ. एम. फैज़ान खान
BPT, MPT (Ortho)
Physiotherapist

डॉ. ज्योति साहू
BPT, MPT (Neuro)
Physiotherapist

विभाग

- न्यूरोसर्जरी
- कार्डियोलॉजी
- स्त्री एवं प्रसूति रोग
- जनरल मेडिसिन
- जनरल एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
- ऑर्थोपेडिक एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी
- पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी
- नेफ्रोलॉजी
- क्रिटिकल केयर
- एनेस्थीसियोलॉजी
- रेस्पिरेटरी मेडिसिन
- न्यूरोलॉजी
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
- कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी
- डेंटल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
- ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन
- यूरोलॉजी
- बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी
- फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन
- मनोचिकित्सा
- कान, नाक, गला रोग
- नेत्र रोग

NH-30, अमलीडीह रोड, देवपुरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) | +91 9243433636, 9243433838
info@prathmesh.one | prathmeshhospital.com | Follow us:

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com